



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 41] नई दिल्ली, शनिवार, अक्तूबर 10, 1981 (आश्विन 18, 1903)

No 41] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 10, 1981 (ASVINA 18, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011 दिनांक 31 अगस्त 1981

सं० ए० 32016/3/80-प्रशा० II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा श्री ओ० पी० सूद, अन्वेषक (त० सं०) को 1-9-1981 से 30-11-81 तक की अवधि के लिए आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, अधिक्षक (त० सं०) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

अधिक्षक (त० सं०) के पद पर श्री ओ० पी० सूद की नियुक्ति पूर्णतः तदर्थ और स्थायी आधार पर है और यह उक्त ग्रेड में विलियन अथवा वरिष्ठता का उन्हें कोई हक प्रदान नहीं करेगी।

पी० एस० राणा
अनुभाग अधिकारी
कृते सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 9 सितम्बर 1981

सं० ए० 12024/2/80-प्रशा० I (j)—संघ लोक सेवा आयोग (स्टाफ) विनियमावली 1958 के विनियम 7 द्वारा

प्रदत्त शक्तियों के अधीन अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग, भा० अ० से०-1969 के अधिकारी तथा संप्रति अवर सचिव श्री ए० एम० मण्डल को 1-9-81 से 3 मास की अवधि के लिए संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 12024/2/80-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग (स्टाफ) विनियमावली, 1958 के विनियम 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अधीन अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग भा० रा० से० (सी० एण्ड सी० ई०-1970) के अधिकारी तथा संप्रति अवर सचिव श्रीमती प्रेम बी० पी० सिंह को 1-9-81 से तीन मास की अवधि के लिए संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 12024/2/80-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग (स्टाफ) विनियमावली के विनियम 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अधीन अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग, के० इं० सी० (कार्य-पालक इर्जनियर के० लो० नि० वि०-1971) के अधिकारी तथा संप्रति अवर सचिव श्री बी० रामाभद्रम को 1-9-1981 से 3 मास की अवधि के लिए संघ लोक सेवा आयोग के कार्या-

लय में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 12024/2/80-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग (स्टाफ) विनियमवर्ती 1958 के विनियम 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अधीन अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा के० स० से० के स्थायी ग्रेड I अधिकारी श्री एम० के० कृष्णन को 1-9-1981 में तीन मास की अवधि के लिए संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

य० रा० गोर्धा
अवर सचिव (प्रशा०)
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली-110022, दिनांक 18 सितम्बर 1981

सं० श्रो० दो-1576/81-स्थापना—राष्ट्रपति ने डा० शैलेंद्र शर्मा, जनरल ड्यूटी अफसर ग्रेड-II का त्यागपत्र दिनांक 20-7-1981 में स्वीकार कर लिया है।

ए० के० सूरी
महायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 15 सितम्बर 1981

सं० ई-38013(4)/5/81-कार्मिक—पदोन्नति होने पर श्री टी० एम० मधकर ने 25 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, आई० पी० सी० एल० बंदोदरा के महायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-16016/1/80-कार्मिक—माइका माइन्स लेबर वेलफेयर आर्गनाइजेशन, भीलवाड़ा, राजस्थान से स्थानांतरित होने पर केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के डा० बी० एल० मीना सामान्य ड्यूटी अधिकारी ग्रेड-II ने 23 जुलाई, 1981 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० की पहली रिजर्व बटालियन देवली के महायक सर्जन ग्रेड-I के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सुरेन्द्र नाथ
महानिदेशक

श्रम मंत्रालय

(श्रम व्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक 3 अक्टूबर 1981

सं० 23/3/81-सी.पी.आई.—अगस्त, 1981 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) ज़लाई, 1981 के स्तर से 7 अंक बढ़ कर 454 (चार सौ चौवन) रहा। अगस्त, 1981 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 552 (पांच सौ बावन) आता है।

जितेन्द्र नाथ शर्मा, संयुक्त निदेशक

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 19 सितम्बर 1981

सं० बी० एन० पी०/सी/5/81—इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 3-6-1981 के तारतम्य में श्री एस० चन्द्र-शेखरन की लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनिधित्वित की अर्द्ध वृत्तमान शर्तों पर दिनांक 28-2-1982 तक और बढ़ाई जाती है।

मु. वै० चार
महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 सितम्बर 1981

० बा० ले० प० 1/42-81—अपर उप नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (बा०) निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों (वाणिज्यिक) पदोन्नत करके लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं और आगे आदेश दिये जाने तक प्रत्येक नाम के सामने नीचे कालम 4 में लिखित कार्यालयों में नीचे कालम 5 में लिखित तारीखों से उसी रूप में तैनात करते हैं।

क्रम सं०	अनुभाग अधिकारी (बा०) का नाम	कार्यालय जहाँ पदोन्नति से पहले कार्यरत थे	कार्यालय जहाँ पदोन्नति के बाद लेखापरीक्षा अधिकारी (बा०) के रूप में तैनात किए गए	लेखापरीक्षा अधिकारी (बा०) के रूप में तैनाती की तारीख
----------	-----------------------------	-------------------------------------------	---------------------------------------------------------------------------------	------------------------------------------------------

1	2	3	4	5
सर्वश्री				
1.	बृज मोहन भटनागर	महालेखाकार, राजस्थान जयपुर	निदेशक लेखापरीक्षा (वै० व बा० वि०), बम्बई।	23-3-81

1	2	3	4	5
सर्वश्री				
2. महेश कुमार शर्मा	महालेखाकार, राजस्थान जयपुर	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड, एवं पदेन निदेशक वा० लेखापरीक्षा, रांची।		30-3-81
3. सेमुअल जेम्स	महालेखाकार, कर्नाटक, बंगलोर	—वही—		25-3-81 (अपराह्न)
4. राजमल पटौदी	महालेखाकार, राजस्थान जयपुर	—वही—		30-3-81
5. एस० के० सेनगुप्ता	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वा० ले० प० रांची	—वही—		23-3-81
6. मन्मथ पौड्यार	कनकता मेट्रोपोलिटन विकास प्राधिकरण कलकत्ता में प्रतिनियुक्ति पर	कनकता मेट्रोपोलिटन विकास प्राधिकरण, तत्तुनिम्ननियम के अधीन		1-4-81
7. पी० हरिनाथ राव	महालेखाकार-II, आन्ध्र प्रदेश हैदराबाद।	महालेखाकार-II, आन्ध्र प्रदेश हैदराबाद		23-2-81 (अपराह्न)
8. जे० के० गांगुली	महालेखाकार असम आदि शिलांग	महालेखाकार असम आदि शिलांग		28-3-81
9. दिलीप कुमार बनर्जी	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, कलकत्ता।	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा (कोयला) कलकत्ता		27-2-81
10. जी० रंगनयाकुलू	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा हैदराबाद	महालेखाकार-II, आन्ध्र प्रदेश हैदराबाद		28-2-81
11. जी० धन्काप्पन	महालेखाकार केरल, त्रिवेंद्रम	महालेखाकार उड़ीसा, भुवनेश्वर		30-3-81

सं० वा० ले० प० 1/75-81—अपर उप नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वा०) निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों (वा०) को पदोन्नत करके बतौर लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं और आगे आदेश दिए जाने तक प्रत्येक नाम के सामने नीचे कालम 4 में लिखित कार्यालयों में नीचे कालम 5 में लिखित तारीखों से उसी रूप में तैनात करते हैं।

क्र० सं०	अनुभाग अधिकारी (वा०) के नाम	कार्यालय जहाँ पदोन्नति से पहले कार्यरत थे	कार्यालय जहाँ पदोन्नति के बाव तैनात किए गए	लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में तैनाती की तारीख
----------	-----------------------------	-------------------------------------------	--------------------------------------------	------------------------------------------------------

1	2	3	4	5
सर्वश्री				
1. एस० रामानुजम	भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक, नई दिल्ली	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा बंगलोर		13-5-81
2. ब्या शंकर पाठक	महालेखाकार-II, उत्तर प्रदेश, लखनऊ	सदस्य लेखा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा रांची।		29-5-81
3. सुरेश चन्द्र बाण्येय	भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक, नई दिल्ली।	महालेखाकार-II, बिहार पटना		30-5-81
4. नरेन्द्रपाल सिंह जाडव	महालेखाकार-II, मध्य प्रदेश, खालियर	निदेशक लेखापरीक्षा (वै० व० वा० वि०), बम्बई।		29-5-81 (अपराह्न)।
5. हरिगोविन्द	—वही—	महालेखाकार, गुजरात अहमदाबाद		25-5-81
6. अमिय कुमार दास	भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक, नई दिल्ली	महालेखाकार-II, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता		28-5-81
7. आर० रामालिंगम	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, मद्रास।	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, हैदराबाद।		29-5-81

1	2	3	4	5
8. विजय कुमार मुखर्जी	महालेखाकार-II, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता	महालेखाकार-II, पश्चिम बंगाल कलकत्ता		2-5-81
9. गणेश चन्द्र राय	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा (कोयला) कलकत्ता	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा (कोयला), कलकत्ता।		2-5-81
10. बी० सी० सन्यासी राव	भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक, नई दिल्ली	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, हैदराबाद		28-5-81
11. ए० गोपी	महालेखाकार (वा०) तमिलनाडु, मद्रास	महालेखाकार II, पश्चिम बंगाल कलकत्ता		28-5-81
12. धी० श्रीनिवासन II/	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा मद्रास	महालेखाकार-II, पश्चिम बंगाल कलकत्ता		28-5-81
13. ओम प्रकाश अग्रवाल	महालेखाकार-II, मध्य प्रदेश ग्वालियर	महालेखाकार, हरियाणा चंडीगढ़		29-5-81
14. एस० नंजुद्राजु	महालेखाकार, कर्नाटक, बंगलूर	महालेखाकार, कर्नाटक, बंगलूर		7-5-81

एम० ए० सोमेश्वर राव
उप निदेशक (वाणिज्यिक)

कार्यालय महालेखाकार, राजस्थान
जयपुर, दिनांक 14 सितम्बर 1981

सं० प्रशासन-II/राजपत्र अधिसूचना/1125—महालेखाकार
राजस्थान ने निम्नलिखित प्रवर अनुभाग अधिकारियों को
पदोन्नत करके उनके आगे दिए दिनांक से अग्रेतर आदेशों के जारी
होने तक इसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारियों के पद पर
नियुक्त किया है :—

सर्वश्री

- | | | |
|-----------------------------|---------|-------------|
| 1. धासी राम गुप्ता | 1-9-81 | (पूर्वाह्न) |
| 2. दशरथ चन्द भंडारी | 31-8-81 | (अपराह्न) |
| 3. चिन्तामणी नारायण रानाडे | 31-8-81 | (अपराह्न) |
| 4. ज्योति स्वरूप श्रीवास्तव | 31-8-81 | (अपराह्न) |
| 5. कन्हैया लाल लोढ़ा | 1-9-81 | (पूर्वाह्न) |
| 6. सुरेन्द्र कुमार खन्ना | 1-9-81 | (पूर्वाह्न) |

मदन सिंह
वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

कार्यालय, महालेखाकार, उत्तर प्रदेश
इलाहाबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1981

सं० प्रशासन-1/11-144/अधिसूचना/2950—महालेखा-
कार (प्रथम) उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद ने निम्नलिखित अनुभाग
अधिकारियों को उनके नाम के आगे अंकित तिथि से आगामी
आदेश पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी नियुक्त
किया है।

सर्वश्री

- | | | |
|--------------------|--------|-------------|
| 1. ऊधो प्रसाद सिंह | 2-9-81 | (पूर्वाह्न) |
| 2. टी० एन० अग्रवाल | 2-9-81 | (,) |

- | | | |
|----------------------|---------|-------------|
| 3. एम० सी० एल० मिश्र | 29-8-81 | (पूर्वाह्न) |
| 4. उमेशचन्द्र | 2-9-81 | (,) |

जी० सी० श्रीवास्तव,
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा
आर्डरनेस फैंक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-700069, दिनांक 7 सितम्बर 1981

सं० 17/81/ए/ई-1—वार्षिक निवृत्ति आयु प्राप्त कर,
निम्नलिखित अफसर दिनांक 31-8-81 (अपराह्न) से सेवा
निवृत्त हुए :—

1. श्री दुर्गापद मंडल, मौलिक एवं स्थायी सहायक/
स्थानापन्न सहायक स्टाफ अफसर।
2. श्रीमती लक्ष्मी मेतन, मौलिक एवं स्थायी सहायक/
स्थानापन्न सहायक स्टाफ अफसर।

डी० पी० चक्रवर्ती,
ए० डी० जी० ओ० एफ० प्रशासन,
उत्ते महानिदेशक, आर्डरनेस फैंक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 31 अगस्त 1981

सं० 7/81/ए/एम—राष्ट्रपति महोदय, गन एण्ड शेल फैंक्टरी,
काशीपुर के सर्वश्री डा० केशव सिंह सागर तथा डा० अरूप राय,
सहायक चिकित्सा अधिकारियों के त्याग-पत्र के सम्बन्ध में
आर्डरनेस फैंक्टरी बोर्ड अधिसूचना संख्या 2/80/ए/एम दिनांक
11-3-80 में निम्नलिखित संशोधन करते हैं :—

(i) वास्ते "दिनांक 7-4-79" (अपराह्न) से"

पढ़ा जाए "प्रत्येक के सामने दशायी गई तारीख से"

- (ii) उसमें "डॉ० केशव सिंह सागर, सहायक चिकित्सा अधिकारी" क्रम संख्या 1 के सामने :
लिखा जाए : "दिनांक 10-4-79 (अपराह्न) से"
उसमें "डॉ० अरुण राय, सहायक चिकित्सा अधिकारी"
क्रम संख्या 2 के सामने"
लिखा जाए : "दिनांक 8-4-79 (अपराह्न) से"

आर० जी० देवलालिकर
अपर महानिदेशक, आर्टिफैक्टरियां/सदस्य (कामिक)

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1981

आयात और निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं. 6/666/62-प्रशा (राज०)/5419—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, कुमारी एस० कृष्णा ने 31 अगस्त, 1981 के दोपहर बाद से इस कार्यालय में उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्य-भार छोड़ दिया।

ए० एन० कौल,
उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 सितम्बर 1981

सं० ए-12022/1/80-प्रशासन (राजपत्रित)—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जी लघु उद्योग विकास संगठन (तकनीकी प्रचार प्रभाग-वर्ग "क" पद) भर्ती नियम, 1977 में आगे और संशोधन के लिए इसके द्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं :—

1. संक्षिप्त नाम एवं प्रारम्भ

(1) ये नियम "लघु उद्योग विकास संगठन (तकनीकी प्रचार प्रभाग वर्ग "क" पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1981" के नाम से जाने जाएंगे।

(2) ये सरकारी गजट में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. लघु उद्योग विकास संगठन (तकनीकी प्रचार प्रभाग वर्ग "क" पद) भर्ती नियम, 1977 में :

(1) नियम 1 के उप नियम (1) में श्रृंखला "1977" के लिए श्रृंखला "1978" प्रतिस्थापित किया जाएगा।

(2) नियम 5 के अन्त में या "पदों" शब्दों को हटा दिया जाएगा।

एच० एल० जुनेजा
उप निदेशक (प्रशासन)

विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 31 अगस्त 1981

आदेश

सं० ई० जी०-3(34)/1/81—गैस सिलेण्डर-नियम 1981 की अनुसूची I में नियम 3(1) के अंतर्गत प्रदत्त अधिकार द्वारा निम्नलिखित संशोधन किया जाता है—

मद सं० 1(क) के अंतर्गत दिये भारतीय मूल उत्पत्ति के आधान के प्रकार तथा मानक को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया है :—

"(क) निम्न दाब द्रवशील गैस सेवा के लिये बी० एस० : 1500 : भाग I : श्रेणी I पात्र के अनुरूप निम्नलिखित अनुमोदित विनिर्माताओं द्वारा विनिर्मित टोन आधान—लायड्स रजिस्टर इंडस्ट्रियल सर्विस द्वारा निरीक्षित तथा प्रमाणित—

- (1) अनप इंजीनियरिंग क० लि० अहमदाबाद,
- (2) भारत हैवी प्लेटस् ऐंड व्हेल्स लि०, विशाखापटनम्;
- (3) इंडियन शूगर ऐंड जनरल इंजीनियरिंग क०, यमुनानगर (हरियाणा);
- (4) कावेरी इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज लि० गोलडन रॉक, तिरुचिरापल्ली;
- (5) कोसान मेटल प्रोडक्ट्स प्रा० लि०, लक्ष्मी इण्डियर्स बिल्डिंग, सर पी० एम० रोड, बम्बई;
- (6) लारसेन ऐंड टयूबरो लि०, साकी बिहार रोड, बम्बई।"

चरण जीत लाल
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1981

सं० प्र-1/2(360)—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारी जो पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड I) के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे हैं को दिनांक 3-9-1981 से इसी महानिदेशालय नई दिल्ली में निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड I) में नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं :—

1. श्री एस० एल० कपूर
2. श्री एम० के० भटनागर
3. श्री जे० पी० महेंद्रू

सर्वश्री कपूर, भटनागर और महेंद्रू की नियमित आधार पर पूर्ति निदेशक के रूप में पदोन्नति होने पर उन्हें 3-9-81 के पूर्वाह्न से दो वर्ष के लिए परिवीक्षाधीन रखा गया है।

दिनांक 18 सितम्बर 1981

सं० प्र-1/1(585)—उप निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड II) के पद पर अद्यतन होने पर निम्नलिखित

अधिकारियों ने पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में 14-9-1981 के अपराह्न से निदेशक (पूर्ति) (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड I) का पद भार छोड़ दिया है।

श्री बी० एस० चावला

श्री आर० सी० मलिक

सं० ए०-1/1(748)—राष्ट्रपति पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में निम्नलिखित उर निदेशकों (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड II) को इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में दिनांक 14-9-1981 (अपराह्न) से नियमित आधार पर स्थानापन्न निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड I) के रूप में नियुक्त करते हैं।

1. श्री एस० कोटेश्वर

2. श्री एस० एल० ज़िदल

पूर्ति निदेशक के रूप में नियमित आधार पर नियुक्त होने पर सर्वश्री कोटेश्वर तथा ज़िदल 14-9-1981 (अपराह्न) से दो वर्ष के लिए परिवीक्षाधीन रखा गया है।

सं० प्र 1/1(1164)—पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक (भूकदमा) (ग्रेड I) श्री पारितोष घोष को दिनांक 31-8-81 (अपराह्न) से उसी कार्यालय में अवर क्षेत्र अधिकारी के पद पर अवनत किया जाता है।

सं० प्र-1/1(1166)—श्री बी डबल्यू० शहदावपुरी जिन्हें निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में पूर्णतः स्थानीय तथा तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड II) के रूप में नियुक्त किया गया था को 1-8-1981 (पूर्वाह्न) से अधीक्षक (स्तर-II) के अराजपत्रित पद पर अवनत कर दिया गया है।

सं० प्र-1/1(1178)—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा निदेशक पूर्ति तथा निपटान बम्बई के कार्यालय में अधीक्षक श्री टी० जे० एन्थोनी को दिनांक 1-8-81 के पूर्वाह्न से निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में पदावनत सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड II) श्री बी० डबल्यू० शहदावपुरी के स्थान पर पूर्णतः स्थानीय तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड II) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० प्र-1/1(1179)—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कार्यालय में अधीक्षक श्री बी० एस० मुर्देश्वर को श्री एम० जे० तहिलिआनी, सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड II) जो दिनांक 31-7-81 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हुए हैं के स्थान पर दिनांक 1-8-81 के पूर्वाह्न से निदेशक पूर्ति (वस्तु) बम्बई के कार्यालय में पूर्णतः स्थानीय तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड II) के रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० एल० कपूर

उप निदेशक (प्रशासन),

कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 14 सितम्बर 1981

सं० ई०-2(1)/79(.)—लोहा और इस्पात नियंत्रक एतद्वारा श्री माखन लाल भवाल, अधीक्षक को इस कार्यालय में-8-9-81 पूर्वाह्न से सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक के पद पर स्थानापन्न के लिए पदोन्नति कर नियुक्त कियें।

एस० एन० विश्वास,
संयुक्त लोहा और इस्पात नियंत्रक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1981

सं० 5/39/68-एस०-एक—महानिदेशक आकाशवाणी एतद्वारा श्री आर० के० सा, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, दरभंगा को 24 अगस्त, 1981 की अपराह्न से अगले प्रादेशों तक आकाशवाणी, दरभंगा में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी क्षमता में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

हरीश चन्द्र जयाल
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 14 जुलाई 1981

सं० 10/86/75-एस-तीन—श्री आर० सुब्बू राज, सहायक इंजीनियर, पांडोचेरी को उनके इलक्ट्रोनिक्स विभाग, भारत सरकार में वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी के रूप में चयन होने पर आकाशवाणी से 15-5-1981 (पूर्वाह्न) से कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

दिनांक 21 जुलाई 1981

सं० 10/4/78-एस-तीन—श्री एस० के० तनेजा सहायक इंजीनियर आकाशवाणी ग्रहमदाबाद को उनके त्यागपत्र के परिणाम-स्वरूप दिनांक 11-7-1981 (अपराह्न) से कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

दिनांक 22 जुलाई 1981

सं० 10/47/79-एस-तीन—श्री अशोक कुमार वेसरकर, सहायक इंजीनियर आकाशवाणी, कलकत्ता की उनका त्यागपत्र स्वीकृत होने पर, 5 जुलाई, 1981 की अपराह्न से आकाशवाणी से सेवा मुक्त कर दिया गया है।

दिनांक 23 जुलाई 1981

सं० 15/182/62-एस-तीन : (मार्ट-II)—निवर्तन की आयु प्राप्त होने पर श्री गुलाम मोहज्जदीन, सहायक इंजीनियर,

दूरदर्शन केन्द्र, श्रीनगर 31 मई, 1981 की अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

ह० ना० विप्रवास
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1981

सं० ए० 19019/8/81-(ए०आई०आई०पी०एम० आर०) प्रशा० I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने अखिल भारतीय भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास संस्थान, बम्बई के प्रोस्पेक्टिव एवं प्रोथोटिक वर्कशाप के अधीक्षक श्री के० नरेन्द्र कुमार का इस्तीफा 16 मई, 1981 अपराह्न से मंजूर कर लिया है।

सं० ए० 32014/3/81-(जिप)/प्रशासन I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पाण्डिचेरी के सहायक पुस्तकाध्यक्ष (प्रसिस्टेंट लाइब्रेरियन) श्री के० जयराम को 12 अगस्त, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में पुस्तकाध्यक्ष (लाइब्रेरियन) के पद पर बिल्कुल तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

टी० सी० जैन
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1981

सं० ए० 12023/2/81-(एच०क्यू०) प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने इस निदेशालय के श्री बी०आर० बजाज, अन्वेषक (सांख्यिक) को 31 जुलाई, 1981 पूर्वाह्न से अथवा जब तक यह पद नियमित आधार पर भरा नहीं जाता, इनमें से जो भी पहले हो, को इसी निदेशालय में अनुसंधान अधिकारी के पद पर पूर्णतया तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 18 सितम्बर 1981

सं० ए० 35014/2/77-(के० अनु० सं०)/प्रशासन-I—श्री ए०एस० गुप्ता को उनके मूल विभाग को परावर्तन हो जाने पर उन्होंने 12 अगस्त, 1981 अपराह्न को केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली से प्रशासनिक अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया था।

दिनांक 19 सितम्बर 1981

सं० ए० 38013/2/81-प्रशासन-I—लेडी रीडिंग हेल्थ स्कूल, दिल्ली की अधीक्षक कुमारी आर० वर्धीज की सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने के फलस्वरूप वह 31 अगस्त, 1981 के अपराह्न से सरकारी सेवा से रिटायर हो गई हैं।

शाम लाल कुठियाला
उप-निदेशक प्रशासन

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1981

सं० ए० 19025/26/81-प्र० तृ०—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार निम्नलिखित अधिकारियों को इस निदेशालय के अधीन नागपुर में दिनांक 1-9-81 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के रूप में नियुक्त किया गया है:—

1. श्री आर०पी० गजभोया।
2. श्री विनोद कुमार गोयल।
3. श्री राजाराम रावत।
4. श्री अक्षय कुमार बिसारिया।
5. श्री मनोहर सिंह छिलोन।
6. श्री सत्यांजय यादव।
7. श्री पाकर विजय सिंह नारायण
8. श्री सतीश चन्द्र श्रीवास्तव।
9. श्री वाई० मालेस्वरा राव।
10. श्री सुरिन्द्र कुमार श्रीवास्तव।
11. श्री जगपाल सिंह एह-लावत।
12. श्री आर०मोहना सुन्दरम।
13. श्री प्रेम सिंह सिरौही।

बी० एल० मनिहार
निदेशक प्रशासन
कृते कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई 400 085, दिनांक 31 अगस्त 1981

सं० पी०ए०/68(6)/77 आर० I—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र इस अनुसंधान केंद्र के बैरीलियम पाइलट संयंत्र में अस्थायी रूप से कार्यरत, वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस०बी० श्री राधेश्याम उपाध्याय की नियुक्ति को 30 सितंबर 1981 अपराह्न से निश्चित समयावधि 30 जून 1982 अपराह्न तक बढ़ाते हैं।

बी० आर० पाटगांवकर
उप स्थापना अधिकारी

बम्बई-400085, 10 सितम्बर 1981

सं० पी० ए०-79(II)-79 आर० I I—परमाणु खनिज प्रभाग शिलांग, से स्थानान्तरित होने पर श्री मूकंद सिंह सहायक कार्मिक अधिकारी ने, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, नाभिकीय अनुसंधान प्रयोगशाला श्रीनगर में 24 अगस्त

1981 पूर्वाह्न से सहायक कार्मिक अधिकारी का पद भार संभाल लिया है।

ए० शान्ताकुमारा मेनोन,
उप-स्थापना अधिकारी

राहन्) तक के लिये तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त किया है।

(के०बी० जोसफ)
प्रशासन अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग
ऋय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001—10 सितम्बर 1981

सं० कु भ नि-2-1 (16)-77-प्रशासन-18419—
निदेशक, ऋय और भंडार निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग ने श्री बी०डी० कन्डपाल, सहायक भंडार अधिकारी की छुट्टी मंजूर हो जाने पर श्री एम०आर० प्रकाश, भंडारी को रुपये 650-30-740-35-810-दरो-35-880-40-1000 दरो-40-1200 के वेतन क्रम में इसी निदेशालय में तारीख 16 मार्च 1981 (पूर्वाह्न) से 30 सितम्बर 1981 (अप-

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 14 सितम्बर 1981

सं० प ख प्र-1-1-81-भर्तों—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री अशोक कुमार भट्ट को परमाणु खनिज प्रभाग में 24 अगस्त, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी अभियन्ता ग्रेड 'एस०बी' नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 सितम्बर 1981

सं० ए० 32014/5/80-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित दो तकनीकी सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है तथा उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है।

क्रम सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	स्टेशन जिस पर तैनात किया गया	कार्यभार सम्भालने की तारीख
1	2	3	4	5
	सर्वश्री			
1.	एफ० एस० भाटिया	वै० सं० स्टे०, नूह	रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली	11-8-81 (अपराह्न)
2.	जी० जे० मेहता	वै० सं० स्टे०, राजकोट	वै० सं० स्टे०, भावनगर	28-8-81 (अपराह्न)

प्रेस चन्द,

सहायक निदेशक प्रशासन
इसे महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर 1981

सं० ए० 12025-6-77-ई०एस०—इस विभाग की दिनांक 28-3-1981 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति ने श्री सतेन्द्र सिंह की उप निदेशक विमान सुरक्षा-क्षेत्रीय नियंत्रक, विमान सुरक्षा (इंजी०) के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति को सामान्य शर्तों के आधार पर आगे दिनांक 30-11-1981 तक या पद के नियमित रूप

से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो जारी रखने की मंजूरी दी है।

जगदीश चन्द्र गर्ग,

सहायक निदेशक प्रशासन
इसे महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 29 जुलाई 1981

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर, 1981

सं० ए०-32013-II-80-ई०ए०II—महानिदेशक नागर विमान ने निम्नलिखित विमान क्षेत्र सहायकों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से छः मास की अवधि तक या पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर सहायक विमान-क्षेत्र अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है। उन्हें नागर विमान प्रशिक्षण केन्द्र बमरोनी (इलाहाबाद) में तैनात किया जाता है :

क्रम सं० नाम	दिनांक
1. श्री ओ०पी० मल्होत्रा	6-7-81
2. श्री ओंकार सिंह	6-7-81
3. श्री एम० गौरी	6-7-81
4. श्री ए०के० धूपर	6-7-81
5. श्री सतीश कुमार देसवाल	6-7-81
6. श्री के०जी०शर्मा	6-7-81
7. श्री अमीर चन्द श्रीवास्तव	12-7-81
8. श्री पी०आर० पटवर्धन	6-7-81
9. श्री के०डी० उठाया	6-7-81
10. श्री के०बी० रघुवंशी	10-7-81 (अपराहन्)
11. श्री कुलवीर सिंह	6-7-81
12. श्री एम० चन्द्रशेखर	6-7-81
13. श्री जे० शिवराज	9-7-81
14. श्री एस०एन०चन्दा	6-7-81

एस० गुप्ता,
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 15 सितम्बर 1981

सं० ए० 33013-1-81-ई०सी०—नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित अधिकारियों ने उनके नाम के सामने दिए गए स्टेशनों से निर्बतन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 31-8-81 (अपराहन्) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है :—

क्रम सं० नाम और पदनाम	तैनाती का स्टेशन
1. जे०एल० सूरी, तक-नकी अधिकारी	वै० सं० स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट नई दिल्ली।
2. एस०पी० सिंहा, सहायक संचार अधिकारी	वै० सं० स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट नई दिल्ली।
3. आर०के० गुप्ता, सहायक संचार अधिकारी	वै० सं० स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट नई दिल्ली।
4. के०एस० चौपड़ा, सहायक संचार अधिकारी	महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय), नई दिल्ली।

प्रेम चन्द

सहायक निदेशक प्रशासन

सं० ए० 32013/2/81—ई० डब्ल्यू०—राष्ट्रपति ने श्री रमोन्द्र सिंह सरा, सहायक अग्निशमन अधिकारी को दिनांक 18 अगस्त, 1981 से 6 मास की अवधि के लिए या ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, अग्नि शमन अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्ति किया है।

2. तदर्थ नियुक्ति के कारण श्री आर० एस० सरा, सहायक अग्नि शमन अधिकारी को नियमित नियुक्ति का दावा करने का हक नहीं होगा तथा तदर्थ आधार पर की गई उनकी सेवा ग्रेड में बरिष्ठता के प्रयोजन के लिए या अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जायगी।

3. श्री सरा को क्षेत्रीय निदेशक, कलकत्ता क्षेत्र, कलकत्ता के कार्यालय में उसी तारीख से तैनात किया जाता है।

सी० के० वत्स

सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 19 सितम्बर, 1981

सं० 1/107/81—स्था०—विदेश संचार सेवा के महा निदेशक एतद्वारा ए० एस० ई० एस०, लाठी माला, देहरादून शाखा के तकनीकी सहायक श्री एस० एस० गखार को 28 अप्रैल, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/192/81—स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के अधीक्षक श्री ह्यू० इडीचंडी को 1-8-81 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक डी० टी० एस०, पूना शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 1/268/81—स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा ए० एस० ई० एस०, लाठीमाला, देहरादून शाखा के तकनीकी सहायक श्री ह्यू० सी० शर्मा को तदर्थ आधार पर 4-5-81 से 12-6-81 तक की अवधि के लिए अल्पकालीन खाली जगह पर उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

एच० एल० मल्होत्रा,

उप निदेशक (प्रशा०)

कृते महानिदेशक।

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क समाहृतलय

भुवनेश्वर, दिनांक 14 सितम्बर 1981

सं० 9/81—पदोन्नति होने पर केन्द्रीय उत्पाद और सीमाशुल्क, भुवनेश्वर में निम्नलिखित निरीक्षक (सीनियर ग्रेड) स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद और सीमाशुल्क (श्रेणी ख) पदवी का कार्य भार निम्नलिखित दिनों में ग्रहण किये।

1. श्री एन० सी० मीन, अधीक्षक, भुवनेश्वर

2. श्री वि० पि० नन्दी, अधीक्षक,
रायमडा—II रेन्ज,
सम्बलपुर डिवीजन

सं० 10/81—सेवा निवृत्ती की आयु हो जाने पर केन्द्रीय उत्पाद और सोमाशुल्क के भुवनेश्वर कार्यालय में स्थापित हुए श्री कृतिवाण दाश, 30-8-81 (अ० न०) में इस विभाग में अवसर लये ।

पी० एन० सरंगी
सहायक समाहर्ता (मुख्या)
समाहर्ता के लिए
केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क,
भुवनेश्वर

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली—110022, दिनांक 3 सितम्बर, 1981

सं० 22/1/81—प्रणामन-I(बी)—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, एतद्द्वारा श्री अरुण पुरनीक, पर्यवेक्षक, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (ग्रुप बी) सेवा के अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 7-8-1981 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश मिलने तक नियुक्त करते हैं ।

सन्तोष विश्वास
अवर सचिव

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)
कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और एडवरटाइजिंग मोटीवेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर, 1981

सं० 621/15022/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर एडवरटाइजिंग मोटीवेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पोद्दार इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर, 1981

सं० 623/18246/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पोद्दार इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया हो तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और क्रिप्स कन्सल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर 1981

सं० 624/18588/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर क्रिप्स कन्सल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया हो तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जाल पी० कंसड एण्ड सन् प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर, 1981

सं० 628/10645/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जाल पी० कंसड एण्ड सन् प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसमें प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया हो तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं रिंग्स ऐप्लीयन्स कार्पोरेशन लिमिटेड के विषय में ।

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर, 1981

सं० 6143/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि रिंग्स ऐप्लीयन्स कार्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम राज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं ब्रह्मपुरी क्लब लिमिटेड के विषय में ।

बम्बई, 17 सितम्बर, 1981

सं० 626/20430/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ब्रह्मपुरी क्लब लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया हो तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

ओमप्रकाश जैन
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार,
महाराष्ट्र, बम्बई ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और तोजर अन्ध कम्पनी इन्जीनियरस एण्ड मैन्यूफैक्चरस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलूर, दिनांक 17 सितम्बर 1981

सं० 3432—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर तोजर एण्ड कम्पनी इन्जीनियरस एण्ड मैन्यूफैक्चरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कावेरी फर्टिलाइजर्स एण्ड केमीकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलूर, दिनांक 17 सितम्बर 1981

सं० 3292560/81-82—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कावेरी फर्टिलाइजर्स एण्ड केमीकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एम एम ए सी एस आर कन्टकटरस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलूर, दिनांक 17 सितम्बर 1981

सं० 3005/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956, की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर एम एम ए सी एस आर कन्टकटरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और तोठावाठ कन्डकटरस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलूर दिनांक 17 सितम्बर, 1981

सं० 3006-560-81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर तोठावाठ कन्डकटरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सीयरस रीसरच अन्ड कन्सल्टैन्सी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलूर, दिनांक 17 सितम्बर 1981

सं० 3159/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में

एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सीयरस रीसरच अन्ड कन्सल्टैन्सी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० टी० गजवानी
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 और भारत वाणिज्य विस्तार प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 18 सितम्बर 1981

सं० 16506/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि भारत वाणिज्य विस्तार प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और राम गयासेस लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 18 सितम्बर 1981

सं० 29003/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि राम गयासेस लिमिटेड का नाम रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी आज विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और स्थल मैन्यूफैक्चर (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 18 सितम्बर 1981

सं० 30822/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि स्थल मैन्यूफैक्चर (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और दोला गुरी काथोनी टी एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 18 सितम्बर 1981

सं० 16162/560 (5) कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दोला गुरीकाथोनी टी एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड का

नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मित्र बिहार

प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 18 सितम्बर 1981

सं० 21725/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मित्र बिहार प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कोहिनूर पिकचर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 18 सितम्बर 1981

सं० 15916/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कोहिनूर पिकचर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और फूड ग्रेन्स एम्पोरियम

प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 18 सितम्बर 1981

सं० 11316/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर फूड ग्रेन्स, एम्पोरियम प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हिन्द जेनरल मारकेट

ट्राईल इजेन्सी लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 18 सितम्बर 1981

सं० 23071/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर हिन्द जेनरल मारकेट ट्राईल एजेन्सी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पनटागन इनस्ट्रुमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 18 सितम्बर 1981

सं० 31415/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा

द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर पनटागन इनस्ट्रुमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ओरिएण्टल इन्वोर्सेस कारपोरेशन लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 18 सितम्बर 1981

सं० 6998/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर ओरिएण्टल इन्वोर्सेस कारपोरेशन लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और संकरसन एनटरप्राइजेस (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 18 सितम्बर 1981.

सं० 30668/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर संकरसन एनटरप्राइजेस (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जी०ई० ब्रेक ईक्विपमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, तारीख 19 सितम्बर 1981

सं० 27279/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर जी०ई० ब्रेक ईक्विपमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और गिडनी मिनारेल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता तारीख 18 सितम्बर 1981

सं० 24864/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि गिडनी मिनारेल्स-प्राइवेट

द्वारा सूचना दी जाती है कि गैलेक्सी इलेक्ट्रिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सिन्धी हाईड्रो कारबन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 18 सितम्बर 1981.

कलकत्ता, दिनांक 18 सितम्बर 1981

सं० 29265/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि सिन्धी हर्ड्वो कारबन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वुड्स एजेन्सीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 18 सितम्बर 1981.

सं० 24487/560(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि लक्ष्मी नारायण महाश्वीर प्रसाद प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सं० 25587/560(5) —कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि बुड्स एजेन्सीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेट्रोपॉलिटन स्ट्रक्चरल
वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हैबल कन्सल्टेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 18 सितम्बर 1981.

कलकत्ता, दिनांक 18 सितम्बर 1981

स० 11309/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मैट्रोपॉलिटन स्ट्रक्चरल वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सं० 31437/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि हैबल कन्सल्टिंग प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और शिव राम सिंह एण्ड आदर्स
(कोल) प्राइवेट-लिमिटेड के विषय में

कम्पनी अधिनियम, 1956 और निम्नोगी केमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 18 सितम्बर 1981.

कलकत्ता दिनांक 18 सितम्बर 1981

सं० 28001/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि शिव राम सिंह एण्ड ब्रादर्स (कोल) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विनिर्दिष्ट हो गई है।

सं० 28227/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि निम्नोगी केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और गैलेक्सी इलेक्ट्रिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कम्पनी अधिनियम 1956 और श्री यार्न इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कसकत्ता दिनांक 18 सितम्बर 1981

कलकत्ता, दिनांक 18 सितम्बर 1981

सं० 29253/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956
की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद-

सं० 28836/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956
की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद-

द्वारा सूचना दी जाती है कि श्री यार्न इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

द्वारा सूचना दी जाती है कि बारूईपुर काचारी बाजार प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बैंगल इलेक्ट्रोक्राफ्ट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 18 सितम्बर 1981

सं० 29229/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि बैंगल इलेक्ट्रोक्राफ्ट प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बारूईपुर काचारी बाजार प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 18 सितम्बर 1981

सं० 28071/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-

कम्पनी अधिनियम, 1956 और फुल क्रोम टैनरी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 18 सितम्बर 1981.

सं० 26343/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि फुल क्रोम टैनरी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० आर० वी० वी० सत्यनारायन
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, कानपुर

कानपुर, दिनांक, 15 सितम्बर 1981

निर्देश नं. 13/अर्जन/81-82—अतः मुझे, विवेक बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको संप्लाट थर्ड डी है जो नेहरू नगर में स्थित है (और इसमें उपाधुध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-1-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :-

(1) श्री जगहर लाल पुत्र श्री हर भजन लाल नि. थर्ड डी-1-2 नेहरू नगर गाजियाबाद तह. लानी जि. गाजियाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री बलदेव राज रहेजा पुत्र हरीश चंद्र रहेजा

2. श्री लवकेश रहेजा पुत्र श्री बलदेवराज रहेजा नि. बी 1 माडल टाउन गाजियाबाद तह. गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपे:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर 111 डी, 1 तथा 2 डी, नेहरू नगर गाजियाबाद में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 1035.55 वर्ग मीटर है।

विवेक बनर्जी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, कानपुर

तारीख : 15-9-1981
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०, एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 सितम्बर 1981

निवेश नं. 8-अर्जन/कानपुर/81-82/7448—अतः मुझे, विवेक बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. बंगला नं. 27 है तथा जो बंगला केन्ट महात्मा गांधी मार्ग कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-1-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

धतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः :—

(1) श्री पशुपति नाथ सेहरोत्रा पुत्र बुदूलाल मेहरोत्रा 45/63 गया प्रसाद स्ट्रीट कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल श्रीमती उर्मिला देवी पत्नी जयकिशन अग्रवाल, श्री राधा किशन अग्रवाल, श्री राम अग्रवाल पुत्रगण श्री ओम प्रसाद रानिलवाला 438एच. किडवाह नगर कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक बंगला तम्बर 27 केन्टोनमेंट महात्मा गांधी मार्ग कानपुर में स्थित है ।

विवेक बनर्जी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, कानपुर

तारीख : 16-9-1981
मोहर :

प्ररूप ग्राह्यः टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 सितम्बर 1981

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1052—यतः मुझे,
एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. एक प्लॉट है तथा जो अलवर में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलवर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
26-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाट की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी घाट या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
3-276GI/81

(1) सर्वश्री नयस किशोर, हजारी लाल, फूलचन्द,
बंशीधर एवं भारत निवासी केडलगंज, अलवर।

(अन्तरक)

(2) श्री हिलकराज पुत्र भवत लाल, नं. 3909, गली
बनां, सदर बाजार, देहली-61.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तदसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हित रख
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट, दण्डपुरा, अलवर जोउप पंजियक, अलवर द्वारा
क्रम संख्या 334 दिनांक 26-3-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में
और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 9-9-1981
मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 सितम्बर 1981

निर्देश राज/सहा. आ. अर्जन/1051---अतः मुझे, एम.
एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक प्लॉट है तथा जो अजमेर में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजमेर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
4-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्रीमती सन्तोष विधवा श्री देवराज मल्होत्रा, श्री
मदन मोहन एवं श्री कृष्णमोहन मल्होत्रा पुत्रान बावराजमे
मल्होत्रा, हाथी भाटा, अजमेर।

(अन्तरक)

(2) गोपी सिंह एवं मदन सिंह पुत्रान श्री बीजा सिंह,
मंगोलिक रोड, अजमेर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट, मंगोलिक रोड, अजमेर जो उप् पंजियक, अजमेर
द्वारा क्रम संख्या 602 दिनांक 4-3-81 पर बंजिबद्ध विक्रय
पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 9-9-1981
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 सितम्बर 1981

आदेश सं. : राज. /सहा. आ. अर्जन/1047—अतः मुझे,
एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो व्यावर में स्थित है,
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय व्यावर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-1-
1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मुकट बिहारी लाल भार्गव पुत्र विनोदी लाल
भार्गव निवासी चामू हाउस, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स महावीर एण्ड कम्पनी, व्यावर द्वारा इसके
भागीदार श्री मोहन सिंह लोढ़ा एवं श्री लालचन्द सिंघी
व्यावर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बांध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित बृह्मानन्द बगीची मार्ग, नेशनल हाइवे नं.
8, व्यावर जो उप पंजिक, व्यावर द्वारा क्रम संख्या 12
दिनांक 1-1-81 पर पंजिक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप
से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, जयपुर

तारीख : 9-9-1981
मोहर

प्रकृष बाई. टी. एन्. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 सितम्बर 1981

आदेश सं. : राज./सहा.आ.अर्जन/1050—अतः मुझे,
एम. एल. चौहान,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 961/4 है तथा जो जोधपुर में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में आता पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
21-1-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सुखराज पुत्र श्री ओहरे मलजी जैन, बाड़मेर जाल,
जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्दिरा देवी पत्नी श्री शिवनारायण कुमाहर,
भगत की कोठी जोधपुर।

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 961/4, रेजीडेंसी रोड, सरदारपुरा एरिया,
जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 679 दिनांक
21-1-81 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, जयपुर

तारीख : 9-9-1981
मोहर :

प्रकृष प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 सितम्बर 1981

आवेदक सं. राज./सहा.आ.अर्जन/1048—यतः मुझे,
एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन प्रथम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका ठ्विन बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 124 है तथा जो उदयपुर में स्थित है
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-1-
1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

(1) श्री छोगालाल पुत्र सरदारमल जैन, मोचीवाड़ा,
उदयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री केशव कुमार एवं अम प्रकाश पुत्र श्री रेतूमल
सिंघी, 36, शक्तिनगर, उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आवासीय मकान एक मंजिला, नं. 124, सेक्टर नं. 11,
हिरणमगरी, उदयपुर जो उप पंजीयक, उदयपुर द्वारा क्रम
संख्या 85 दिनांक 24-1-81 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, जयपुर

तारीख : 9-9-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 सितम्बर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1399-अर्जन रज-1-23-1/81-82--अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी असे. नं. 142, टी. पी. असे 6 एफ. पी. 388, पैकी है तथा जो एम्. पी. नं. 18, पालडी अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-1-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री गीरीशचंद्र रतीलाल शाह की ओर से मुख्तारनामा श्री किराटकुमार रतीलाल शाह मंगलपार्क, विश्वबन्धु सोसायटी के सामने, सरखेज रोड, पालडी, अहमदाबाद-7।

(अन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र कुमार पोपटलाल महेता महावीर छाया एफार्टमेन्ट्स को. ओ. हा. सोसायटी लिमिटेड संजीवनी हॉस्पिटल के नजदीक पालडी अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिव-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका माप 480 वर्ग गज है और जिसका सर्वे नं. 142, टी. पी. एस्. 6, तथा फाइनल प्लॉट नं. 388 पैकी सब प्लॉट नं. 18 है तथा जो पालडी, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका संपूर्ण वर्णन अहमदाबाद के रजिस्ट्री के कार्यालय में बिक्री-खत नं. 1014 एण्ड 1015/23-1-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

तारीख : 1-9-81

मोहर :

प्रकृष आर्इ.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 सितम्बर 1981

निवेदन नं. पी. आर. नं. 1398 अर्जन रंज - 23-1/81-82—अतः मन्त्रे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है
और जिसकी सं. एस नं. 456 (हिस्सा) प्लॉट नं. 24-25बी
है तथा जो निर्मला कॉन्वेंट स्कूल रोड योगीनीकेतन सोसायटी में
स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जनवरी 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मन्त्रे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रत्यक्ष प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के तबीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरणा लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्ध आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

(1) मधर्स सुधीर डेवलपमेंट कम्पनी के/ओ भगवानजी
मंगलजी नाथवानी मंगलम 27, प्रहलाद प्लाट, प्रहलाद
रोड, राजकोट।
(अन्तरक)

(2) श्री रतनीश नारनभाई पटेल और अन्य के/ओ 13
विद्याभवन सोसायटी, 22, न्यू जागनाथ राजकोट।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं. 456 (हिस्सा), प्लॉट नं.
24-25 बी, जो निर्मला कॉन्वेंट स्कूल रोड, योगीनीकेतन
सोसायटी राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट
रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री किया गया विक्री खत नं.
512/जनवरी 1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज 1, अहमदाबाद

तारीख : 1-9-1981
माहूर :

प्रश्न भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-111, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 सितम्बर 1981

निर्देश नं. 953/एक्वी. आर-111/81-82—यतः,
मुझे, आइ. वी. एस. जूनेजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. 102 है तथा जो साउदर्न एक्विन्यू, कलकत्ता
(प्लॉट सं.-12/एम. डब्ल्यू. स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी
के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-1-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि उपापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात्
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (घातकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाकियन में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधाया (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) लोक एपार्टमेंट कोओपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी
लि.।

(अन्तरक)

(2) श्री ए. वी. दे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के घर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी धावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
48 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के धार्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
धार्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं.-12/एम. डब्ल्यू. 102, साउदर्न एक्विन्यू,
कलकत्ता।

आइ. वी. एस. जूनेजा
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-111, 54, किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 15-9-1981
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री उदय रतन वानाजर्जी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जलधि रतन वानाजर्जी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 सितम्बर 1981

निर्देश सं. 954/एक्वी. आर-111/81-82—जतः,
मुझे, आई. वी. एस. जूनैजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. है तथा जो 26, लेक रोड, 90 एव 92,
लेक वियू रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-1-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

4-276GI/81

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जहाँ भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

26, लेक रोड, 90 और 92, लेक वियू रोड, कलकत्ता,
6 कृष्ण 8 छटाक 40 स्क्वायर फीट जमीन पर मकान (1/3 शोयर)

आई. वी. एस. जूनैजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-111, कलकत्ता-16

तारीख : 15-9-1981

मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 17 सितम्बर 1981

निदेश सं. 111-512/अर्जन/81-82—अतः मुझे, हृदय नारायण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. बार्ड सं. 12 होल्डिंग सं. 18 जेड प्लॉट सं. 18 जेड ब्लॉक बी है तथा, जो रोड सं. 6-बी राजेन्द्र नगर, पटना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-1-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वांछित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती रुणु जाँजे स्व. कर्नल (डा) ए. के. वसू वहींसयत मोखतार आम मिन जानीव डा. (कैप्टन) जवन्त वसू वल्ल स्व. कर्नल (डा.) ए. के. वसू सकिन हाल 497 डी ब्लॉक एम. न्यू अलीपुर, कलकत्ता के भी निवासी राजेन्द्रनगर, रोड नं. 6 बी. धुना कदमकुआं, पटना-16 ।

(अन्तरक)

(2) डा. अच्युता नन्द सिन्हा वल्ल स्व. श्री गया प्रसाद वर्तमान पवास्थापन प्रोफेसर एवं प्रधान आंच, नाक एवं दांत विभाग, पटना मेडिकल कालेज एवं अस्पताल पटना एवं निवासी रोड नं. 6 बी राजेन्द्र नगर पटना।

(अन्तरिती)

(3) डा. अच्युता नन्द सिन्हा
(वह व्यक्ति जिसके अधियोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अन्तरक के एक तिहाई हिस्सा जमीन कुछ बनावट सहित जिसका प्लॉट सं. 18 जेड ब्लॉक बी में कुल रकबे 531.138 वर्ग गज मीजा रोड नं. 6 बी राजेन्द्र नगर पटना में स्थित है तथा जो पूर्णरूप से बसिका सं. 118 दिनांक 10-1-81 में वर्णित है एवं जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पक्षाधिकारी पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है।

हृदय नारायण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र,
बिहार, पटना

तारीख : 17-9-81
मोहर:

प्रकाश आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 17 सितम्बर 1981

निवेदन सं. 111-511/अर्जन/81-82—अतः मूखे, हृदयनारायण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. वाड सं. 12 होल्डिंग सं. 18 जेड प्लॉट सं. 18-जेड ब्लॉक-बी है तथा, जो रोड संख्या 6-बी. राजेन्द्रनगर, पटना में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-1-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रयापूर्विक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की गणना, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :—

(1) श्रीमती रणू वसु जीजे स्व. कर्नल (डा.) ए. के. वसु वहींसयत मोखतार आम भिन जानीव प्रतीक वसु बल्द, स्व. कर्नल (डा.) ए. के. वसु साकिन हाल 497 डी. ब्लॉक एम. न्यू अलीपुर, कलकत्ता के भी निवासी राजेन्द्रनगर रोड नं. 6 बी. धाना कदम-कूआं, पटना-16।

(अन्तरक)

(2) डा. अच्युता नन्द सिन्हा बल्द स्व. श्री गया प्रसाद वर्तमान पदास्थापन प्रोफेसर एवं प्रधान आँख, नाक एवं दांत विभाग, पटना मेडीकल कालेज एवं अस्पताल पटना एवं निवासी रोड नं. 6-बी. राजेन्द्र नगर, पटना-16

(अन्तरिती)

(3) डा. अच्युता नन्द सिन्हा (वह व्यक्ति जिसके अधिगोण में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधा व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अन्तरक के एक तिहाई हिस्सा जमीन कुछ बनावट सहित जिसका प्लॉट संख्या 18 जेड, ब्लॉक बी, में कल रकवे 531.138 वर्ग गज मौजा रोड नं. 6-बी राजेन्द्रनगर, पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से बसिका संख्या 78 दिनांक 9-1-81 में वर्णित है एवं जिसका निबंधन जिला अवसर सचिव निबंधक पदाधिकारी पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है।

हृदय नारायण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र,
बिहार, पटना

तारीख : 17-9-81
मोहुर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 17 सितम्बर 1981

निवेदन सं. 111-513/अर्जन/81-82—अतः मुझे, हृदय नारायण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, सिका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. होल्डिंग सं. 18 जेड प्लॉट सं. 18 जेड वार्ड सं. 12 ब्लॉक बी रोड सं. 6 बी राजेन्द्र नगर पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-1-81 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्रीमती रुणु वसुजोर्जे स्व. ए. के. वसु निवासी 497-डी ब्लॉक एम न्यू अलीपुर कलकत्ता एवं निवासी रोड सं. 6 बी राजेन्द्र नगर पटना-16

(अन्तरक)

(2) डा. अच्युता नन्द सिन्हा वल्द स्व. श्री गया प्रसाद वर्तमान पवास्थापन प्रोफेसर एवं प्रधान आँख, नाक एवं दाँत विभाग पटना मेडिकल कालेज एवं अस्पताल पटना एवं निवासी रोड नं. 6 बी राजेन्द्र नगर पटना-16

(अन्तरिती)

(3) डा. अच्युता नन्द सिन्हा

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अन्तरक के एक तिहाई हिस्सा जमीन कुछ बनावट सहित प्लॉट सं. 18 जेड ब्लॉक बी में कुल रकबे 531.138 वर्ग गज जिसका मीजा रोड नं. 6 बी राजेन्द्र नगर पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से बसिका सं. 29 दिनांक 5-1-81 में वर्णित है एवं जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पदाधिकारी पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है।

हृदय नारायण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र,
बिहार, पटना

तारीख : 17-9-81

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, पटना

पटना, दिनांक 17 सितम्बर 1981

निर्देश सं. 111-517/अर्जन/81-82--अतः मुझे, हृदय नारायण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 186, 185, खाता सं. 176, 181, सर्वे थाना नं. 7, फूलवारी जौजी सं. 391 है तथा जो ठकनपुरा जो अब बोरींग रोड पटना से जाना जाता है में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-1-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. (1) श्री प्रभात कुमार सिंहा (2) श्री पंकज कुमार सिंहा (3) श्री विनोद कुमार सिंहा (4) श्री प्रेम कुमार सिंहा सभी वत्स श्री गणेश लाल, निवासी बोरींग रोड थाना कोतवाली, पटना। (अन्तरक)

2. डा. उमाकान्त चौधरी वत्स स्व. श्री हलधरी, निवासी महल्ला बोरींग रोड, पटना-1 वर्तमान निवासी-न्यू हाउसिंग रोड, पटना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरारी जमीन का रकबा 2 कठ्ठा 15 धुर जो मौजा ठकनपुरा अब बोरींग रोड पटना-1 से जाना जाता है, में स्थित है एवं पूर्ण रूप से बसिका संख्या 165 दिनांक 13-1-1981 में वर्णित है तथा जिसका पंजीकरण जिला अवर निबन्धक पदाधिकारी पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है।

हृदय नारायण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, पटना

तारीख : 17-9-1981
मोहर :

प्रकृति आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री बसीचन्द लक्ष्मीचन्द।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

2. श्री पी. कनगराज और अन्य।

(अन्तरिती)

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

अर्जन रज-1, मद्रास-600006

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास-600006, दिनांक 4 सितम्बर 1981

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

निर्देश सं. 29/जनवरी/81—यतः मुझे, आर. रवि-
चन्द्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है और जिसकी सं. टी. एस. सं. 59/2-ए और 67/2, वाड्ड 'जे', 11 स्ट्रीट है तथा जो नारायण नगर, सेलम-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे. एस. आर.-1 सेलम में रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-1-81 (डाकूमेंट सं. 149/81)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(भूमि अट 11 स्ट्रीट, नारायण नगर सेलम-1, वाड्ड 'जे' ब्लाक 9—टी. एस. सं. 59/2-ए और 67/2—डाकूमेंट सं. 149/81)।

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 4-9-1981
मोहूर :

प्रूप आई. टी. एन. एस.—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 17 सितम्बर 1981

निर्देश सं. 111/514/अर्जन/81-82—अतः मुझे, हृदय नारायण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. खाता संख्या 33, खेचट संख्या-1 तौजी संख्या 28 थाना संख्या 108 है तथा, जो परिहारी गुरुडीह थाना गोमिया जिला गिरिडीह में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गिरिडीह में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-1-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार अतः, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री मुरली भगत वल्ल ठाकुर भगत साकिन मौजा जामतारा, थाना डमरी, जिला गिरिडीह।
(अन्तरक)

1. श्री शुशील कुमार जूनेजा वल्ल म्. श्री ज्ञान चन्द जूनेजा
2. श्रीमती सीता रानी जूनेजा जौजे श्री गोविन्द सिंह जूनेजा
3. श्रीमती अलका जूनेजा जौजे श्री अमर सिंह
4. श्रीमती कामिनी बेवी यादव जौजे श्री शिवेन्द्र प्रसाद यादव
5. श्रीमती किरण यादव जौजे श्री इन्द्रजीत यादव
6. श्रीमती रेखा राय जौजे श्री सुधीर कुमार राय सभी निवासी साकिन बांकारो थर्मल प्रगना जगदेवर थाना बेरमा जिला गिरिडीह।
7. श्रीमती शारदा सलुजा जौजे श्री विजय कुमार सलुजा निवासी :- 'सलुजा हाउस' गिरिडीह जिला गिरिडीह।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

52 डीसमल जमीन के रकबे में पक्का मकान सिनेमाघर बना हुआ है जो ग्राम परिहारी गुरुडीह थाना गोमिया जिला गिरिडीह में स्थित है तथा पूर्ण रूप से बसिका संख्या 78 दिनांक 3-1-81 में वर्णित है एवं जिसका पंजीकरण जिला अवर निर्बंधक पक्षाधिकारी गिरिडीह द्वारा सम्पन्न हुआ है।

हृदय नारायण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 17-9-81
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 17 सितम्बर 1981

निर्देश सं. 111-515/अर्जन/81-82—उक्त: मुझे, हृदय नारायण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है
और जिसकी प्लॉट संख्या 54, 52 खाता संख्या 507, तौजी
सं. 15354/869 खाता सं. 510 तौजी सं. 227 ब्लॉक बी
एवं ओवडस है तथा जो बोरिंग रोड, पटना में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1098 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-1-81
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी
(अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती बाणी वं जीजे स्व. श्री आशिष कुमार वं
अपने पुत्री के कानूनी तौर पर अधिकृत प्रतिनिधि-(1)
श्रीमती अयश्री राय जीजे गोपाल चन्द्र राय, (2) वंबा-
रिश वं बल्लभ आशिष कुमार वं वर्तमान निवासी 22/
5/2 रुस्तमजी स्ट्रीट कलकत्ता।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा हिरानी जीजे श्री नानीकस हिरानी वर्त-
मान निवासी बोरिंग रोड, धाना कोतवाली, जिला
पटना।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।
गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 2 कटठा 17 धूर 5 धूरकी जो मौजा बोरिंग
रोड पटना में स्थित है तथा पूर्ण रूप से बसिका संख्या 51
दिनांक 5-1-81 में वर्णित है एवं जिसका पंजीकरण जिला अवर
निबन्धक पदाधिकारी पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है।

हृदय नारायण

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

तारीख : 17-9-81

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 4 सितम्बर 1981

निर्देश सं. 39/जुदवरी/81—यतः मुझे, आर. रविचन्द्रन, चन्द्रन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. वारड सं. 13 है तथा जो बन्डीकार नाडार स्ट्रीट, रामनादपुरम में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे. एस. आर.-11, रामनादपुरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-1-1981 (आकृमेट सं. 7/81)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5-276 GI/81

1. श्रीमती डी. इन्दिरा देवी

(अन्तरक)

2. श्री डाक्टर. अरविन्दराज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के कार्य-वाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि अट वारड सं. 13, बन्डीकार नाडार स्ट्रीट, रामनाद-पुरम—आकृमेट सं. 7/81।

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, मद्रास

तारीख : 4-9-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1 श्रीमती डी. इन्दोरा देवी

(अन्तरक)

2 श्री डाक्टर अरविन्दराज

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 4 सितम्बर 1981

निर्देश स. 40/जनवरी/81—यतः मुझे, आर. रवि-
चन्द्रन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी स वारड में 13 है तथा जो वन्डीकार नाडार
स्ट्रीट, रामनादपुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जे एस आर -11, रामनादपुरम में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 31-1-1981

(डाकूमेन्ट स 8/81-82)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
वरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे वचन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्ति
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि अट वारड स 13, वन्डीकार नाडार स्ट्रीट, रामनाद-
पुरम—डाकूमेन्ट स 8/81-82)

आर. रविचन्द्रन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 4-9-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 4 सितम्बर 1981

निर्देश सं. 41/जनवरी/81—यतः मुझे, आर. रवि-
चन्द्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से
अधिक है

और जिसकी सं. वारड सं. 13 है तथा जो बन्डीकार नाडार
स्ट्रीट, रामनादपुरम में स्थित है (और इसमें उपाब्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जे. एस. आर.-11, रामनादपुरम में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 31-1-1981

(आकूमेंट सं. 9/81-82)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने
में सुविधा के लिए;

1. श्रीमती इन्दिरा बंदी

(अन्तरक)

2. श्रीमती डाक्टर मत्तुरम अरविन्दराज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोव्यवस्थापकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि अट वारड सं. 13, बन्डीकार नाडार स्ट्रीट, रामनाद-
पुरम—आकूमेंट सं. 9/81-82)।

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, मद्रास

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 4-9-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 4 सितम्बर 1981

निर्देश सं. 42/जनवरी/81—यतः मुझे, आर. रवि-
चन्द्रन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. वारड सं. 13 है तथा जो बन्डीकार नाडार
स्ट्रीट, रामनादपुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जे. एस. आर.-11, रामनादपुरम में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 31-1-1981
(डाकमैट सं. 10/81)
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्रीमती डी. इन्डीरा देवी

(अन्तरक)

2. श्रीमती डाक्टर मत्तूरम अरविन्दराज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि अट वारड सं. 13, बन्डीकार नाडार स्ट्रीट, रामनाद-
पुरम---डाकमैट सं. 10/81) ।

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, मद्रास-600006

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 4-9-1981

मोहर :

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि-1, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 7 सितम्बर 1981

निर्देश सं. 8/जनवरी/81—यस: मुझे, आर. रवि-
चन्द्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. एस. सं. 1071 से 1078/1 है तथा जो
इलन्जी गांव, तेनकासी तालुक में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, जे. एस. आर.-1, तेनकासी में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 15-1-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1 श्रीमती मरियम्मा कुरीकोस ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मरियम्मा जोसफ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताखरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

(पून्जतोप--एस. सं. 1071 से 1078/1, इलन्जी गांव,
तेनकासी तालुक--डाकूमेट सं. 12/81)।

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रजि-1, मद्रास-600006

तारीख . 7-9-1981

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 7 सितम्बर 1981

निर्देश सं. 9/जनवरी/81—यतः मुझे, आर. रवि-
चन्द्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एस. सं. 1031, ए 6-18 है तथा जो
इलन्जी गांव, तेनकासी तालुक में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, जे. एस. आर.-1, तेनकासी में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 15-1-1981 (डाकूमेन्ट सं. 14/81)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्रीमती अन्न्माल मरकोस

(अन्तरक)

2. श्रीमती मारियम्मा जोसफ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(पुनजातोप—एस. सं. 1031 ए6-18, इलन्जी गांव, तेनकासी
तालुक—डाकूमेन्ट सं. 14/81)।

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, मद्रास-600006

तारीख : 7-9-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्रीमती कंजुजम्मा सच्चारीया

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती मार्गोयम्मा जोसफ

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

अर्जन रज-1, मद्रास-600006

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

मद्रास-600006, दिनांक 7 सितम्बर 1981

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

निर्देश सं. 15/जनवरी/81—यतः मूझे, आर. रवि-
चन्द्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है

और जिसकी सं. एस. सं. 1031 है तथा जो
इलन्जी गांव, तेनकासी तालूक तिरुनेलवेली डिस्ट्रिक्ट में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे. एस. आर.-1,
तेनकासी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 15-1-1981

(डाकमेट सं. 20/81)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से वर्धित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की गणन उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

अनुसूची

(पन्जातोप—एस. सं. 1031 ए सी 6-18, इलन्जी गांव,
तेनकासी तालूक—डाकमेट सं. 20/81)

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, मद्रास-600006

तारीख : 7-9-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमती मारीयम्मा कुरीयकोस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री जारज जोसफ

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, मद्रास-600006

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

मद्रास-600006, दिनांक 7 सितम्बर 1981

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

निर्देश सं. 8-ए/जनवरी/81--यतः मुझे, आर. रवि-
चन्द्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एस. सं. 1071 से 1078/1 है तथा जो
इलन्जी गांव, तेन्कासी टालूक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, जे.एस.आर.-1, तेन्कासी में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 15-1-1981 (डाकूमेट सं. 13/81)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से व्यक्त नहीं किया गया है.--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी का कारण उसमें से अन्तरण
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
संविधा के लिए;

(पूजातोप--एस. सं. 1086, इलन्जी गांव, तेन्कासी
तालूक--डाकूमेट सं. 13/81)।

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 7-9-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमती अन्नम्मा मुरकोस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री जारज जोसफ

(अन्तरिती)

भारत सरकार -

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 7 सितम्बर 1981

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिस से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

निर्देश सं. 10/जनवरी/81--यतः मुझे, आर. रवि-
चन्द्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एस. सं. 1017/1 है तथा जो इलन्जी गांव
तेन्कासी तालूक, तिरुनेलवेली डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 1, तेन्कासी में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 15-1-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

(पुनजातोप--एस. सं. 1017/1, इलन्जी गांव, तेन्कासी
तालूक, तिरुनेलवेली डिस्ट्रिक्ट---डाकमेट सं. 15/81)।

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (11)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

6-276GI/81

तारीख . 7-9-1981

मोहूर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री कूरुविल्ला मारकस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री जारज जोसफ

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 7 सितम्बर 1981

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

निर्देश सं. 12/जनवरी/81---यतः मुझे, आर रवि-
चन्द्रन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

और जिसकी सं. एम. सं. 1071 से 1078/1, ए सी 19-84
है तथा जो इलन्जी गांव, तन्कासी टालूक, तिरुनेलवेली
डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
1, तन्कासी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-1-1981
(डाकमैट सं. : 17/81)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा-
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

अनुसूची

(पुनरातोप---एम. सं. 1071 से 1078/1, ए सी 19-84
इलन्जी गांव, तन्कासी टालूक, तिरुनेलवेली डिस्ट्रिक्ट---
डाकमैट सं. : 17/81)।

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, मद्रास

तारीख : 7-9-1981
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 7 सितम्बर 1981

निर्देश सं. 20/जनवरी/81--यतः मुझे, आर. रवि-
चन्द्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब
के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं. एस. सं. 1071 से 1078/1, ए सी 19-84
है तथा जो इलन्जी गांव तन्कासी टालूक, तिरुनेलवेली
डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
1, तन्कासी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-1-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में उचित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिश्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:--

1. श्री सच्चारीया कुरीयकोस

(अन्तरक)

2. श्री जारज जोसफ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलुब्धताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(पुनरातोप--एस. सं. 1071 से 1078/1, ए सी 19-84
इलन्जी गांव, तन्कासी तालूक--डाकमेंट सं. 25/81)।

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, मद्रास

तारीख 7-9-1981
माहूर :

प्रकृष घाई० टी० एन० एस्०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि-1, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 7 सितम्बर 1981

निवेष्ट सं. 13/जनवरी/81—यतः मुझे, आर. रवि-
चन्द्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. एस. सं. 1021, इलन्जी गांव, तनकासी
तालूक है, तथा जो तिरुनेलवेली डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जो एस. आर.-1,
तनकासी में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-1-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, खर्चान् :—

(1) श्री कन्जुम्मा सन्धारीय।

(अन्तरक)

(2) श्री एन. जे. जोसफ।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(पून्जातोप—एस. सं. 1021, इलन्जी गांव, तनकासी
तालूक, डाकूमेंट सं. 18/81)।
(डाकूमेंट सं. 18/81)

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रजि-1, मद्रास

तारीख 7-9-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती ईडा. कूरुविल्ला।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एन. जे. जोसेफ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 7 सितम्बर 1981

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

निवेष्ट सं. 17/जनवरी/81--यतः मुझे, आर. रवि-
चन्द्रन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है
और जिसकी स एस. सं. 1020, इलन्जी गांव, तेनकासी
तालूक है, तथा जो तिरुनलवेली डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे. एस. आर.-1,
तेनकासी में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-1-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया हैः--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

अनुसूची

(पूजातोप एस सं. 1020, इलन्जी गांव, तेनकासी तालूक,
आकूमे सं. 22/81)

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, मद्रास

तारीख . 7-9-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती सुमा कुरुविल्ला।

(अन्तरक)

(2) श्री एन. जे. जोसफ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 7 सितम्बर 1981

निदेश सं 18/जनवरी/81—यतः मुझे, आर. रवि-
चन्द्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. एस. सं. 998, इलन्जी गांव, तेनकासी
तालुक है, तथा जो तिरुनेलवेली डिस्ट्रिक्ट में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 1, तेनकासी में, भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1980 का 16) के अधीन,
तारीख 15-1-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(पूजातोप एस. सं. 998, इलन्जी गांव तेनकासी तालुक
डाकूमेंट सं. 23/81)।

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, मद्रास

तारीख : 7-9-1981
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) कन्जुअम्मा सञ्चारीया।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अलेक्स जोसेफ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 7 सितम्बर 1981

निर्देश सं. 14/जनवरी/81—यतः मुझे, आर. रवि-
चन्द्रन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी स. एम. सं. 1022, इलन्जी गांव, तेनकासी
तालुक है, तथा जो तिरुनेलवल्ली डिस्ट्रिक्ट में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 1, तेनकासी में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 15-1-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

(पुनजातोप एस सं. 1022, इलन्जी गांव, तेनकासी
तालुक, डाकूमेंट सं. 19/81)।

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, मद्रास

तारीख 7-9-1981
सोद्हर.

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्रीमती इंडा कुरुविल्ला।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जाकफ् जोसफ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 7 सितम्बर 1981

निदेश सं. 16/जनवरी/81—यतः मुझे, आर. रवि-
चन्द्रन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. एस. सं. 1007/1, 1009 और 1010,
इलन्जी गांव, तेनकासी तालूक है, तथा जो तिरुनेलवेली
डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जे. एस. आर.-1, तेनकासी में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
15-1-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् -

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(पूजातोप—एस. सं. 1007/1, 1009 और 1010,
इलन्जी गांव, तेनकासी तालूक, डाकूमेंट सं. 21/81)।

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, मद्रास

तारीख 7-9-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन्.एस. -----

(1) श्रीमती सुमा कुरुविल्ला।

(अन्तरक)

(2) श्री जानी जोसफ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 7 सितम्बर 1981

निर्देश सं. 19/जनवरी/81—यतः मुझे, आर. रवि-चन्द्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है और जिसकी सं. एस. सं. 999, 1000/1 और 1006, इलन्जी गांव, तेनकासी तालुक है, तथा जो तिरुनेलवेली डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे. एस. आर -1, तेनकासी में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-1-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

7-276GI/81

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(पूँजतोप--एस. सं. 999, 1000/1, और 1006, इलन्जी गांव, तेनकासी तालुक, डाकूमेड सं. 24/81)।

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, मद्रास

तारीख : 7-9-1981

मोहुर

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

भू-विज्ञानी परीक्षा, 1982

नई दिल्ली, दिनांक 10 अक्टूबर, 1981

सं० एफ० 4/2/81-प I(ख)---भारत के राजपत्र दिनांक 10 अक्टूबर, 1981 में इस्पात और खान मंत्रालय द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित पदों पर भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अग्ररत्ना, अहमदाबाद, ऐजल, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, इम्फाल, ईटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटना, पोर्ट ब्लेयर, जिलांग, शिमला, श्रीनगर और त्रिवेन्द्रम में 23 मार्च, 1982 से एक प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी आयोग परिस्थितिवश किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर अलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी (अनुबंध परा 11 देखिए)।

2. इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर जिन पदों के वर्गों के लिए भर्ती की जानी है वे तथा विभिन्न पदों के लिए रिक्तियों की अनुमानित संख्या नीचे दी जाती है :—

वर्ग I : (भारतीय भू विज्ञान सर्वेक्षण, इस्पात और खान मंत्रालय के पद)

- | | |
|---------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| (i) भूविज्ञानी (कनिष्ठ).
ग्रुप 'क' | 25 (इनमें प्र० जा० के उम्मीदवारों के लिए 8 और प्र० ज० जा० के लिए 4 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं।) |
| (ii) सहायक भू विज्ञानी
ग्रुप 'ख' | 44 (इनमें प्र० जा० के उम्मीदवारों के लिए 15 और प्र० ज० जा० के लिए 7 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं।) |

वर्ग II : (केन्द्रीय भू जन बोर्ड, कृषि मंत्रालय के पद)

सहायक जल-भू-विज्ञानी *
ग्रुप 'ख'

*सरकार ने अभी तक रिक्तियां सूचित नहीं की हैं।

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

प्रारम्भ में नियुक्तियां अस्थायी आधार पर की जाएंगी स्थायी रिक्तियां उपलब्ध होने पर उम्मीदवार अपने क्रमानुसार स्थायी रूप से नियुक्ति के पात्र होंगे।

3. उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित सभी या किसी एक पद पर नियुक्ति के लिए परीक्षा में प्रवेश हेतु आवेदन कर सकता है। उसे केवल उसी पद/उन्हीं पदों के लिए उम्मीदवार माना जाएगा जिसके/जिनके लिए यह आवेदन करेगा। एक बार आवेदन-पत्र भेज जाने के बाद सामान्यतः किसी प्रकार के परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जाएगी।

यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक वर्ग के पदों के उम्मीदवार की हैसियत से प्रवेश पाना चाहता हो तो उसे भी एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। नीचे पैरा 6 में उल्लिखित शुल्क भी उसे केवल एक बार देना होगा, उस प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग नहीं जिसके लिए व आवेदन कर रहा है।

विशेष ध्यान:—उम्मीदवार को आवेदन पत्र में यह स्पष्ट रूप से लिखना होगा कि वह किन सेवाओं/पदों के लिए विचार किए जाने का इच्छुक है। उसे यह भी सलाह दी जाती है कि वह अपनी इच्छानुसार जितनी चाहे उतनी बरीयताओं का उल्लेख करें ताकि योग्यता क्रम में उसके रैंक को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उसकी बरीयताओं पर भली भांति विचार किया जा सके।

उम्मीदवारों द्वारा निर्दिष्ट उन सेवाओं/पदों के बरीयता क्रम में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर तभी विचार किया जाएगा जब ऐसा अनुरोध "रोजगार समाचार" में लिखित परीक्षा के परिणामों के प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अन्दर संघ लोक सेवा आयोग में प्राप्त हो जाए।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण रु० 2/- (दो रुपये) देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनी-आर्डर द्वारा या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाक घर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर, द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर बैंक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुक्तान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। रु० 2/- दो रुपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

टिप्पणी:—उम्मीदवारों को धेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र भू-विज्ञानी परीक्षा, 1982 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। भू-विज्ञानी परीक्षा, 1982 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-प्रपत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 7 दिसम्बर, 1981 (7 दिसम्बर, 1981 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, अरुणाचल और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के या जिनके आवेदन उपर्युक्त में से किसी एक क्षेत्र से डाक द्वारा प्राप्त होते हैं उनके मामले में 21 दिसम्बर, 1981) तक या उससे पहले डाक द्वारा अवश्य भिजवा दिया जाए या स्वयं आयोग के काउंटर पर जाकर जमा करा दिया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोक्त यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण-प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 7 दिसम्बर, 1981 से पहले किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप या विदेशों में रह रहा था।

टिप्पणी (i) :—जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्र के है जहाँ के रहने वाले आवेदन की प्रस्तुति हेतु अतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हें आवेदन पत्र के संगत कालम में अपने पतों में अतिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात् असम, मेघालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लद्दाख प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।

टिप्पणी (ii) :—उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र को स्वयं सं० लो० से० आ० के काउंटर पर जमा कराएं अथवा रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेजें। आयोक्त के किसी अन्य कर्मचारी को किए गए आवेदन-पत्रों के लिए आयोक्त उत्तरवायी नहीं होगा।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोक्त को रु० 48.00 (रु० अड़तालीस केवल) [अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के मामले में रु० 12.00 (रु० बारह केवल)] का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो, के कार्यालय में जमा करना होगा कि वह "051 लोक सेवा आयोग परीक्षा शुल्क" के लेखाशीर्ष में जमा हो जाए और आवेदन पत्र के साथ उसकी रसीद लगा कर भेजनी चाहिए।

जिन आवेदन-पत्रों में उक्त अपेक्षाएं पूरी नहीं होंगी उन्हें एक वम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो नीचे के पैरा 7 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

7. आयोक्त यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है या बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है या वह श्रीलंका से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्टूबर

1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है और निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया है किन्तु उसे आयोक्त द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे रु० 30.00 (तीस रुपये केवल) [अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु० 8.00 (आठ रुपये केवल)] की राशि वापस कर दी जाएगी। किन्तु यदि नियम 7 के नीचे नोट 1 की शर्तों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह अर्हक परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपर्युक्त नोट के उपबन्धों की अपेक्षाओं का अन्यथा पालन नहीं कर सकेगा तो वह शुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त तथा नीचे पैरा 9 के उपबन्धों को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोक्त को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

9. यदि कोई उम्मीदवार 1981 में भू-विज्ञानी परीक्षा में बैठा है और अब वह इस परीक्षा में प्रवेश का इच्छुक हो, तो वह परीक्षा परिणाम का अथवा नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतीक्षा किए बिना अपना आवेदन-पत्र निर्धारित तारीख तक आयोक्त के कार्यालय में प्रस्तुत कर दे। यदि 1981 के परीक्षा परिणाम के आधार पर नियुक्ति हेतु उनकी अनुशंसा हो जाती है, तो 1982 के लिए उनकी उम्मीदवारी उनके अनुरोध पर रद्द कर दी जाएगी और उन्हें परीक्षा शुल्क वापस कर दिया जाएगा, किन्तु शर्त यह है कि उम्मीदवारी रद्द करने तथा शुल्क वापसी के बारे में उनका अनुरोध आयोक्त के कार्यालय में 23 फरवरी, 1982 तक अवश्य पहुंच जाए।

10. आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।

11. जैसा कि नियमावली के परिशिष्ट I में निर्दिष्ट है सभी विषयों के प्रश्नपत्र "वस्तुपरक" होंगे। नमूने के प्रश्न सहित वस्तु परक परीक्षण से सम्बद्ध विवरण के लिए कृपया "उम्मीदवार सूचना विवरणिका" का अनुबंध II देख लिया जाए।

विनय झा, संयुक्त-सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

अनुबंध I

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-पत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं, निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से संबद्ध अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु अपने आवेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा भौक्षिक्य बसाते हुए एक पत्र रजिस्टर्ड डाक से अवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गृणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 16 फरवरी, 1981 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-पत्र तथा पावसी कार्ड अपने हाथ से स्याही या बाल प्वाइंट पेन से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार कर दिया जाएगा।

उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि आवेदन पत्र भरते समय उन्हें भारतीय अंकों के केवल अंतराष्ट्रीय रूपों का ही प्रयोग करना है। चाहे माध्यमिक स्कूल छोड़ने के प्रमाणपत्र या इसके समकक्ष प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख हिन्दी अंकों में दर्ज है तो भी उम्मीदवार यह सुनिश्चित कर ले कि वे आवेदन पत्र में प्रविष्टि करते समय इसको भारतीय अंकों के केवल अंतराष्ट्रीय रूप में ही लिखें। वे इस बारे में विशेष सावधानी बरतें कि आवेदन पत्र में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट और सुपाठ्य हों। यदि वे प्रविष्टियां अपाठ्य या भ्रामक हैं तो उनके निर्वाचन में होने वाली भ्रान्ति या संदेह के लिए उम्मीदवार जिम्मेवार होंगे।

उम्मीदवार यह भी ध्यान रखें कि आयोग आवेदन पत्र में प्रविष्टियों में परिवर्तन करने से संबद्ध किसी भी पत्र व्यवहार को स्वीकार नहीं करेगा। इसलिए उन्हें आवेदन-पत्र सही रूप से भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

सभी उम्मीदवारों को चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी औद्योगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या गैर-सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों अपने आवेदन-पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचा हो तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में प्राकृतिक या वैज्ञानिक वर्ग कर्मचारी से इसर स्थायी या अस्थायी हैसियत से कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं या जो सार्वजनिक उद्यमों में कार्यरत हैं उन्हें यह परिचय (अंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रलेख अवश्य भेजने चाहिए:—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट या शुल्क माफी हेतु दावे के समर्थन में प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति (देखिए : नोटिस का पैरा 6 और 7 और नीचे पैरा 6)।

- (ii) आय के प्रमाणपत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि

- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

- (iv) उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक पर निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए।

- (v) उपस्थिति पत्रक (आवेदन-पत्र के साथ संलग्न) विधिवत् भरा हुआ।

- (vi) लगभग 11.5 सें० मी० × 27.5 सें० मी० आकार के बिना टिकट लगे हुए दो लिफाफे जिन पर आपका पता लिखा हो।

- (vii) जहां लागू हो वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।

- (viii) जहां लागू हो वहां आयु में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाणपत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए, नीचे पैरा 5)।

टिप्पणी (i)—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त मव (ii), (iii), (vii), अगर (viii) में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी होंगी और सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें उपर्युक्त प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत करने होंगे। लिखित परीक्षा के परिणाम संभवतः अगस्त 1982 में घोषित किए जाएंगे, उन्हें अपने मूल प्रमाण-पत्र साक्षात्कार के समय प्रस्तुत करने के लिए तैयार रखने चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उनका आगे विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

टिप्पणी (ii):—आवेदन पत्रों के साथ भेजी गई सभी प्रमाण-पत्रों की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों पर उम्मीदवार को हस्ताक्षर करने होंगे और तारीख भी देनी होगी।

उपर्युक्त मव (i) से (iv) तक में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिये गए हैं और मव (vii) और (viii) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4 और 5 में दिए गए हैं:—

- (i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित इंडियन पोस्टल आर्डर—प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः। रेखांकित होना चाहिए और उस पर “सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय” लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट भारतीय स्टेट बैंक की किसी शाखा से प्राप्त किया जाए और वह सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा, नई दिल्ली में देय हो तथा विधिवत् रेखांकित किया गया हो।

किसी अन्य बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र प्रस्तुत करते समय बैंक ड्राफ्ट की पिछली और सिर पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल आर्डरों के मामले में उम्मीदवार पोस्टल आर्डर के पिछली और इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।

(ii) आयु का प्रमाण पत्र :—आयोग जन्म की यह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाणपत्र या किसी भारतीय विश्व-विद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैट्रिकुलेटों के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुका है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि कर सकता है।

आयु के सम्बन्ध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्म कुंडली शपथपत्र, नगर निगम के सेना अभिलेख से प्राप्त जन्म सम्बन्धी उद्धरण, तथा अन्य ऐसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

अनुदेशों के इस भाग में आए हुए "मैट्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र" वाक्यांश के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित है।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हेडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए

प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहाँ से उसने मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए। उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र के साथ इन अनुदेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

टिप्पणी :—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से सम्बद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

टिप्पणी 2 :—उम्मीदवार यह ध्यान में रखें कि आयोग उम्मीदवार की जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मैट्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी 3 :—उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने और आयोग द्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद, उसमें बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(iii). शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र : उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 7 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से सम्बद्ध अपने बाबे के प्रमाण में किसी अन्य प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

टिप्पणी :—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए

आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की ग्रहण परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। यदि ऐसे उम्मीदवार प्रथम शर्तें पूरी करते हों तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अंतिम मानी जाएगी और यदि वे ग्रहण परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 31 जुलाई 1982 से पहले प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

(iv) फोटो की दो प्रतियाँ: उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें.मी. × 7 सें.मी.) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र पर चिपका देनी चाहिए अगर दूसरी प्रति उपस्थिति श्रृंखला में निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र के साथ ऊपर पैरा 3 (ii), 3 (iii) और 3 (iv) में उल्लिखित प्रमाण-पत्र आदि में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन पत्र अस्वीकार कर दिया जाएगा और इस अस्वीकृत के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) ग्राम तौर से रहते हों, जिखा अधिकारी उप-मण्डल अधिकारी या किसी अन्य ऐसे अधिकारी से जैसा कि नीचे उल्लेख किया गया है, जिसे संबंध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु गई हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से ग्राम तौर पर रहता है।

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिये आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*
 सुपुत्र/सुपुत्री* जो
 गांव/कस्बा*
 जिला/मंडल* राज्य/संघ*
 राज्य क्षेत्र के/की* निवासी
 है जाति/जन* जाति

के/की* जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है:—

अनुसूचित जातियाँ और अनुसूचित जन जातियाँ सूचियाँ (आशोधन) आदेश, 1956; बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1960; हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970; उत्तरी-पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971; और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित संविधान (अनुसूचित जातियाँ) आदेश, 1950* संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) आदेश 1950,* संविधान (अनुसूचित जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र आदेश), 1951* संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951 संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1956*।

अनुसूचित जातियाँ तथा अनुसूचित जन जातियाँ (संशोधन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित।

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप-समूह) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1959*।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1962*। संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1962*।

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1964*।

संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) (उत्तर प्रदेश) आदेश 1967*।

संविधान (गोवा, दमन और दियु) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1968*।

संविधान (गोवा, दमन और दियु) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1968*।

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1970*।

संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जाति आदेश, 1978।

संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1978।

2. श्री/श्रीमती/कुमारी*

और/या* उनका परिवार ग्रामतौर से गांव/कस्बा* ———

————— जिला/मंडल* ———

————— राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र ———

————— में रहते/रहती* हैं।

हस्ताक्षर ———

**पदनाम ———

(कार्यालय की मोहर सहित)

स्थान ———

तारीख ———

राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

टिप्पणी:—जहां प्रयुक्त ग्रामतौर से रहते/रहती हैं वाक्यांश का अर्थ वही होगा जो "रिप्रेजेंटेशन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950" की धारा 20 में है।

**जातियाँ/जन जातियाँ प्रमाण-पत्र जारी करने के सक्षम अधिकारी

- (i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/क्लेक्टर/डिप्टी कमिश्नर/एडीशनल डिप्टी कमिश्नर/डिप्टी कलेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब-डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिश्नर/प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं।
- (ii) चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट।
- (iii) रेवेन्यू अफसर जिसका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।
- (iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार आमतौर से रहता हो।
- (v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट अफसर, लक्षद्वीप।

5. (i) नियम 6 (ख) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण और केन्द्रीय भू-जल बोर्ड में नियोजित व्यक्तियों को अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष से निम्नलिखित रूप में प्राप्त मूल प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना चाहिए:—

उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण पत्र का फार्म

“प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी* —
 भारतीय भू-
 विज्ञान सर्वेक्षण/केन्द्रीय भू-जल बोर्ड में विनांक _____
 से _____ के स्थायी/अस्थायी पद पर
 कार्यरत है।”

हस्ताक्षर _____

पदनाम _____

मंत्रालय/कार्यालय _____

कार्यालय की मुहर

*जो लागू न हों उसे काट दें।

(ii) नियम 6 (ग) (ii) या 6 (ग) (iii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु-सीमा में छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ (7) के अधीन शुल्क से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) में विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिये गये प्रमाणपत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि यह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रव्रजन कर भारत आया है:—

- (1) दण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित राहत शिविरों के जैम कमिश्नर।

- (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
- (3) अपने-अपने जिलों में शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
- (4) स्वयं प्रभारित सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर।
- (5) उप-शरणार्थी पुनर्वास-आयुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वास), कलकत्ता।

(iii) नियम 6 (ग) (iv) अथवा 6 (ग) (v) के अन्तर्गत निर्धारित आयु में छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ (7) के अधीन शुल्क से छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय में लिए गए इस आशय का प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 अक्टूबर, 1964, के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।

(iv) नियम 6 (ग) (viii) या 6 (ग) (ix) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ (7) के अधीन शुल्क से छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावासी, रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

(v) नियम 6 (ग) (vi) या 6 (ग) (vii) के अन्तर्गत आयु में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त तंजानिया गणराज्य भूतपूर्व टंगानिका और अंजीवार से प्रव्रजन कर आए हुए या जाम्बिया, मलावी जेरे तथा इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हुए उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से प्रव्रजन कर आया है।

(vi) नियम 6 (ग) (x) अथवा 6 (ग) (xi) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुनःस्थापना रक्षा मंत्रालय में निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उनकी एक अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिप्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट—
के रैंक नं०—
श्री—
रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी देश के शत्रु के साथ संघर्ष में/ अशांति ग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर—
पदनाम—
दिनांक—

*जो शब्द लागू न हों उसे कृपया काट दें।

(vii) नियम 6 (ग) (xi) अथवा 6 (ग) (xii) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल, गृह में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट—के
रैंक नं०—सीमा सुरक्षा दल
में कार्य करते हुए सन् 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर—
पदनाम—
तारीख—

(viii) नियम 6 (ग) (xii) या 6 (ग) (xiii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।

6. जो उम्मीदवार ऊपर पैरा 5(ii), 5(iii) और 5 (iv) में से किसी भी वर्ग से सम्बन्ध है तथा नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क में छूट का दावा करता है उसको किसी जिला अधिकारी या सरकार के राजपत्रित अधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से, यह दिखलाने के लिए कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है, इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी होगी।

7. जिस व्यक्ति के लिए पात्रता-प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है। किन्तु उसे

नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार के इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) या कृषि मंत्रालय (कृषि तथा सहकारिता विभाग) जैसी भी स्थिति हो द्वारा आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिए जाने के बाद ही दिया जाएगा।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठ ब्यौता न दें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदवार को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें कोई परिवर्तन करें और न कोई फेर बदल करें और न कोई फेर बदल किए गए/झूठे प्रलेख प्रस्तुत करें। यदि ऐसा हो या इससे अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

9. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किये जाने पर वेरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-पत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-पत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि आवेदन-पत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

आवेदन पत्र की पावती

10. आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदन-पत्र जिसमें देर से प्राप्त आवेदन-पत्र भी सम्मिलित हैं की पावती दी जाती है तथा आवेदन-पत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संस्था जारी कर दिया जाता है। यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के आवेदन पत्र प्राप्त करने के लिये निर्धारित अंतिम तारीख से एक मास के अन्दर पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल आयोग से पावती हेतु सम्पर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संस्था जारी कर दिया गया है अपने आप यह अर्थ नहीं है कि आवेदन पत्र सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा न किया तो वह अपने मामले में विचार किये जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

12 आवेदन पत्रों से संबन्धित व्यवहार—आवेदन प्रपत्रों से संबन्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग धौलपुर हाऊस, गाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011 को

मेरे जाए तथा उनमें नीचे लिखा ब्योरा अनिवार्य रूप से दिया जाए।—

(i) परीक्षा का नाम

(ii) परीक्षा का महीना और वर्ष

(iii) उम्मीदवार की आवेदन पंजीकरण सं० रोल नम्बर अथवा जन्म की तारीख, यदि आवेदन पंजीकरण संख्या रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है।

(iv) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)।

(v) आवेदन पत्र में दिया गया डाक का पता।

ध्यान दे (i) जिन पत्रों आदि में उपर्युक्त ब्योरा नहीं होगा, संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

ध्यान दें (ii) यदि परीक्षा की समाप्ति के बाद किसी उम्मीदवार से पत्र/प्रेषण प्राप्त होता है तथा इसमें उसका पूरा नाम और अनुक्रमांक नहीं दिया गया है तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा और कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

13 पते में परिवर्तन—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था करनी चाहिए कि उसके आवेदन पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना उपर्युक्त पैरा में उल्लिखित ब्योरे के साथ, यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तन पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है किन्तु वह इस विषय में कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

अनुबन्ध II

उम्मीदवारों की सूचनार्थ विवरणिका

(क) वस्तुपरक परीक्षण :—

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं वह “वस्तुपरक परीक्षण” होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में आप को उत्तर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई सुझाए गए उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक उत्तर चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

(ख) परीक्षण का स्वरूप :

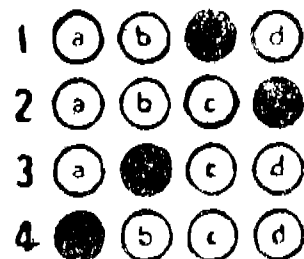
प्रश्न पत्र “परीक्षण पुस्तिका” के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3 आदि के क्रम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे a, b, c, d, चिह्न के साथ सुझाए गए प्रत्युत्तर लिखे होंगे। आपका काम एक सही या यदि आपको एक से

अधिक प्रत्युत्तर सही लगे तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चयन करना होगा। (अन्त में दिए गए नमूने के प्रश्नांश देख लें)। किसी भी स्थिति में प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक सही प्रत्युत्तर का चयन करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका प्रत्युत्तर गलत माना जाएगा।

(ग) उत्तर देने की विधि :

परीक्षा भवन में आपको अलग एक उत्तर पत्रक दिया जाएगा। जिसकी एक नमूना प्रति आपको प्रवेश प्रमाण पत्र के साथ भेज दी जाएगी। आपको अपने प्रत्युत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर नहीं जांचे जाएंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नांशों की संख्याएं 1 से 160 तक चार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a, b, c, d, चिह्न वाले वृत्ताकार स्थान छपे होते हैं। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर वाले वृत्त को पेसिल से पूरी तरह काला बना कर अंकित कर देना है, जैसा कि (आपका उत्तर दर्शाने के लिए) नीचे दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के वृत्त को काला बनाने के लिए स्वाही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यह जरूरी है कि :—

1. प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए केवल अच्छी किम्वं एच० बी० पेसिल (पेसिले) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें।
2. गलत निशान को बदलने के लिए उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर पर निशान लगा दें। इसके लिए आप अपने साथ एक रबड़ भी लाएं।
3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असावधानी न हो जिससे वह फट जाए या उसमें मोड़ व सिलवट आदि पड़ जाए या वह खराब हो जाए।

(घ) कुछ महत्वपूर्ण विनियम

1. आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।
2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट के बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।
4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सौंप दें। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इस नियम का उल्लंघन करने पर कड़ा बंद दिया जाएगा।
5. आपको परीक्षा भवन में उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण भरना होगा तथा उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण भी कूटबद्ध करना होगा। इसके बारे में अनुदेश आपके प्रवेश प्रमाण पत्र के साथ भेज दिए जाएंगे।
6. परीक्षण पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है, तो उस प्रश्नांश के प्रत्युत्तर के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कहें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।
7. आप अपना प्रवेश प्रमाण-पत्र साथ लाएं, आपको अपने साथ एक एच० बी० पैसिल, एक रबड़, एक पैसिल शार्पेनर और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। आपको सलाह दी जाती है कि आप अपने साथ एक एक क्लिप बोर्ड या हार्ड बोर्ड या काई बोर्ड भी लाएं जिस पर कुछ लिख सकते हैं। आपको परीक्षा भवन में कोई खाली कागज या कागज का टुकड़ा या पैमाना या आरेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। मांगने पर कच्चे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम या शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नंबर, और परीक्षण की तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को वापस कर दें।

(ख) विशेष अनुदेश :

परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक आपको उत्तर पत्रक देंगे। उत्तर पत्रक पर उपेक्षित सूचना भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। परीक्षण पुस्तिका मिलने पर आप यह अवश्य देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है अन्यथा, उसे बदलवा लें। आपको परीक्षण पुस्तिका तब तक खोलने की अनुमति नहीं है जब तक पर्यवेक्षक ऐसा करने के लिए न कहें।

(च) कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा शुद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय पर यथासंभव दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ

आप जितनी जल्दी काम कर सकते हैं, करें पर लापरवाही न हो। आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिंता न करें। आपको जो प्रश्न अत्यंत कठिन मालूम पड़ें उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे। उन सभी के उत्तर दें। आपके द्वारा अंकित सभी प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक दिये जायेंगे। गलत उत्तरों के लिये अंक नहीं काटे जाएंगे।

(छ) परीक्षण का समापन :

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बंद करने को कहें, आप लिखना बन्द कर दें। आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके पास आकर आपसे सभी आवश्यक वस्तुएं ले जाएं और आपको हाल छोड़ने की अनुमति दें। आपको परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर-पत्रक तथा कच्चे कार्य का कागज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

नमूने के प्रश्नांश (प्रश्न)

(नोट—*सही/सर्वोत्तम उत्तर-विकल्प को निर्दिष्ट करता है।)

1. सामान्य अध्ययन :

बहुत ऊंचाई पर पर्वतारोहियों के नाक तथा कान से निम्नलिखित में से किस कारण से रक्त स्राव होता है ?

(a) रक्त का दाब वायुमंडल के दाब से कम होता है।

* (b) रक्त का दाब वायुमंडल के दाब से अधिक होता है।

(c) रक्त वाहिकाओं की अन्दरूनी तथा बाहरी शिराओं पर दाब समान होता है।

(d) रक्त का दाब वायुमंडल के दाब के अनुरूप घटता बढ़ता है।

2. कृषि :

अरहर में फूलों का झड़ना निम्नलिखित में से किसी एक उपाय से कम किया जा सकता है।

* (a) वृद्धि नियंत्रक द्वारा छिड़काव

(b) दूर-दूर पौधे लगाना।

(c) सही ऋतु में पौधे लगाना।

(d) थोड़े-थोड़े फासले पर पौधे लगाना।

3. (रसायन विज्ञान) :

H_3VO_4 का एनहाइड्राइड निम्नलिखित में से क्या होता है ?

(a) VO_3

(b) VO_4

(c) V_2O_3

* (d) V_2O_5

4. (अर्थशास्त्र) :

श्रम का एकाधिकारी शोषण निम्नलिखित में से किस स्थिति में होता है ?

- * (a) सीमांत राजस्व उत्पाद से मजदूरी कम हो ।
- (b) मजदूरी तथा सीमांत राजस्व उत्पाद न दोनों बराबर हों ।
- (c) मजदूरी सीमांत राजस्व उत्पाद से अधिक हो ।
- (d) मजदूरी सीमान्त भौतिक उत्पाद के बराबर हो ।

5. (वैद्युत इंजीनियरी)

एक समास रेखा को अपेक्षित परावैद्युतांक 9 के पैरा-वैद्युत से सम्पूर्ण किया गया है । यदि C मुक्त अन्तराल में संचरण वेग दर्शाता है तो लाइन में संचरण का वेग क्या होगा ?

- (a) 3C
- (b) C
- * (c) C/3
- (d) C/9

6. (भू-विज्ञान)

बेसाल्ट में प्लेजियोक्लेस क्या होता है ?

- (a) आलिगोक्लेस
- (b) लंबोराइट
- (c) एल्बाइट
- (d) एमार्थाइट

7. (गणित)

मूल बिन्दु से गुजरने वाला और $\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0$

समीकरण को संगत रखने वाला वक्र-परिवार निम्नलिखित में से किस से निर्दिष्ट है ?

- (a) $y = ax + b$
- (b) $y = ax$
- (c) $y = ac + bc^{-x}$
- * (d) $y = ae^x - a$

8. (भौतिकी) :

एक आदर्श ऊष्मा इंजन 400°K और 300°K तापक्रम के मध्य कार्य करता है । इसकी क्षमता निम्नलिखित में से क्या होगी ?

- (a) $3/4$
- * (b) $(4-3)/4$
- (c) $4/(3+4)$
- (d) $3/(3+4)$

9. (सांख्यिकी)

यदि द्विपद विचर का माध्य 5 है तो इसका प्रसरण निम्नलिखित में से क्या होगा ?

- (a) 4^2
- * (b) 3
- (c) ∞
- (d) -5

10. (भूगोल)

बर्मा से दक्षिणी भाग की अत्यधिक समृद्धि का कारण निम्नलिखित में से क्या है ?

- (a) यहां पर खनिज साधनों का विपुल भंडार है ।
- * (b) बर्मा की अधिकांश नदियों का डेल्टाई भाग है ।
- (c) यहां श्रेष्ठ वन संपदा है ।
- (d) देश के अधिकांश तेल क्षेत्र इसी भाग में है ।

11. (भारतीय इतिहास)

ब्राह्मणवाद के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से क्या सत्य नहीं है ?

- (a) बौद्धधर्म के उत्कर्ष काल में भी ब्राह्मणवाद के अनुयायियों की संख्या बहुत अधिक थी ।
- (b) ब्राह्मणवाद बहुत अधिक कर्मकाण्ड और आडंबर से पूर्ण धर्म था ।
- * (c) ब्राह्मणवाद के अभ्युदय के साथ, बलि सम्बन्धी यज्ञ कर्म का महत्त्व कम हो गया ।
- (d) व्यक्ति के जीवन-विकास की विभिन्न दशाओं को प्रकट करने के लिए धार्मिक संस्कार निर्धारित थे ।

12. (दर्शन) :

निम्नलिखित में से निरीश्वरवादी दृष्टान्त समूह कौन-सा है ?

- (a) बौद्ध, न्याय, चावार्क, मीमांसा
- (b) न्याय, वैशेषिक, जैन और बौद्ध, चावार्क
- (c) अद्वैत, वैवात, सांख्य, चावार्क योग
- * (d) बौद्ध, सांख्य, मीमांसा, चावार्क

13. (राजनीति विज्ञान) :

'वृत्तिगत प्रतिनिधित्व' का अर्थ निम्नलिखित में से क्या है ?

- * (a) व्यवसाय के आधार पर विधानमंडल में प्रतिनिधियों का निर्वाचन ।
- (b) किसी समूह या किसी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन ।
- (c) किसी रोजगार सम्बन्धी संगठन में प्रतिनिधियों का चुनाव
- (d) अमिक संघों द्वारा अप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व ।

14. (मनोविज्ञान) :

लक्ष्य की प्राप्ति निम्नलिखित में से किस को निर्देशित करती है ?

- (a) लक्ष्य सम्बन्धी आवश्यकता में वृद्धि
- * (b) भावात्मक अवस्था में न्यूनता
- (c) व्यावहारिक अधिगम
- (d) पक्षपातपूर्ण अधिगम

15. (समाजशास्त्र) :

भारत में पंचायती राज संस्थाओं की निम्न में से कौन सी है ?

- * (a) ग्राम सरकार में महिलाओं तथा कमजोर वर्गों को औपचारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है ।
- (b) छुआछूत कम हुई है ।
- (c) वंचित वर्गों के लोगों को भूस्वामित्व का लाभ मिला है ।
- (d) जन-साधारण में शिक्षा का प्रसार हुआ है ।

टिप्पणी—उम्मीदवारों को यह ध्यान रखना चाहिए कि उपर्युक्त नमूने के प्रश्नों (प्रश्न) केवल उदाहरण के लिए दिए गए हैं और यह जरूरी नहीं है कि य इस परीक्षा की पाठ्यपथ के अनुसार हों ।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 31st August 1981

No. A.52016/3/80-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri O. P. Sud, investigator (DP) to officiate as Superintendent (DP) on *ad hoc* basis for the period from 1-9-81 to 30-11-81 or until further orders, whichever is earlier.

The appointment of Shri O. P. Sud as Superintendent (DP) is purely on *ad hoc* and temporary basis and will not confer upon him any right for absorption or seniority in the grade.

F. S. RANA
Section Officer,
for Secretary

Union Public Service Commission

New Delhi-11, the 9th September 1981

No. A.12024/2/80-Admn.I.(i).—The Chairman, Union Public Service Commission is pleased to appoint Smt. A. M. Mondal an officer of I.E.S.—1969 and presently working as Under Secretary, to officiate as Deputy Secretary on *ad hoc* basis in the office of U.P.S.C. for a period of 3 months w.e.f. 1-9-81, under the powers vested in him *vide* Regulation 7 of the UPSC (Staff) Regulations, 1958.

No. A.12024/2/80-Admn.I.(ii).—The Chairman, Union Public Service Commission is pleased to appoint Smt. Preet V. P. Singh an officer of IRS (C&CE—1971) and presently working as Under Secretary, to officiate as Deputy Secretary on *ad hoc* basis in the office of U.P.S.C. for a period of 3 months w.e.f. 1-9-1981, under the powers vested in him *vide* Regulation 7 of the UPSC (Staff) Regulations, 1958.

No. A.12024/2/80-Admn.I.(iii).—The Chairman, Union Public Service Commission is pleased to appoint Shri V. Ramabhadram an officer of C.E.S. (Ex-Engg. C.P.W.D.—1971) and presently working as Under Secretary, to officiate as Deputy Secretary on *ad hoc* basis in the office of U.P.S.C. for a period of 3 months w.e.f. 1-9-81, under the powers vested in him *vide* Regulation 7 of the UPSC (Staff) Regulations, 1958.

No. A.12024/2/80-Admn.I.(iv).—The Chairman, Union Public Service Commission is pleased to appoint Shri M. K. Krishnan, a permanent Grade I officer of the CSS, to officiate as Deputy Secretary on *ad hoc* basis for a period of 3 months w.e.f. 1-9-81, in the office of U.P.S.C. under the powers vested in him *vide* Regulation 7 of the UPSC (Staff) Regulations, 1958.

Y. R. GANDHI
Under Secretary (Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110 022, the 18th September 1981

No. O.II-1576/81-Estt.—President is pleased to accept the resignation tendered by Dr. Shailendra Sharma, General Duty Officer Grade-II of the CRPF with effect from 20-7-81.

A. K. SURI
Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi, the 15th September, 1981

No. F-38013(4)/5/81-Pers.—On his promotion, Shri T. S. Makkai, assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, IPCL Baroda w.e.f. the forenoon of 25th March 1981.

No. E-16016/1/80-PERS.—On transfer from Mica Mines Labour Welfare Organisation, Bhilwara, Rajasthan, Dr. B. L. MEENA, General Duty Officer Grade II of the Central Health Service, assumed the charge of the post of Assistant Surgeon, Grade I, at 1st Reserve Battalion, CISF, Deoli with effect from the forenoon of 23rd July, 81.

SURENDRA NATH,
Director General.

SHIRAM MANTRALAYA

SHRAM BUREAU

Simla-171004, the 3rd October 1981

No. 23/3/81-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base: 1960=100 increased by seven points to reach 454 (Four hundred and fifty four) during the month of August, 1981. Converted to base: 1949=100, the index for the month of August, 1981 works out to 552 (Five hundred and fifty two).

J. N. SHARMA, Jt. Secy.

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 19th September 1981

F. No BNP/C/5/81.—In continuation to this Department's notification of even number dated 3-6-81 the appointment of Shri S. Chandrasekharan, as Accounts Officer on deputation on the existing terms is extended upto 28-2-82.

M. V. CHAR
General Manager.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 19th September 1981

No. CA.I/42-81.—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Comml) has been pleased to promote the following Section Officers (Commercial) and appoint them to officiate as Audit Officers (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in column 4 below with effect from the dates mentioned in column 5 below until further orders:—

Sl. No.	Name of the S.O. (C)	Office where working before promotion	Office where posted on promotion as AO (C)	Date of promotion as AO (C)
1	2	3	4	5
1.	Shri Brij Mohan Bhatnagar	Accountant General, Jaipur.	Director of Audit, (S&CD), Bombay	23-3-1981
2.	Shri Mahesh Kumar Sharma	Do.	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Ranchi	30-3-1981
3.	Shri Samuel James	Accountant General, Bangalore.	Do.	25-3-1981 (A.N.)
4.	Shri Rajmal Patodi	Accountant General, Jaipur.	Do.	30-3-1981
5.	Shri S. K. Sen Gupta	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Ranchi.	Do.	23-3-1981

1	2	3	4	5
6. Shri Manmatha Poddar	On deputation to Calcutta Metropolitan Development Authority, Calcutta.	Calcutta Metropolitan Development Authority, under NBR		1-4-1981
7. Shri P. Harinath Rao	Accountant General-II, Andhra Pradesh, Hyderabad.	Accountant General, Andhra Pradesh-II, Hyderabad.		23-2-1981 (A.N.)
8. Shri J. K. Ganguli	Accountant General, Assam etc., Shillong.	Accountant General, Assam etc., Shillong.		28-3-1981
9. Shri Dalip Kumar Banerjee	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Calcutta.	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit (Coal), Calcutta.		27-2-1981
10. Shri G. Ranganayakulu	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Hyderabad.	Accountant General-II, Andhra Pradesh, Hyderabad.		28-2-1981
11. Shri G. Thankappan	Accountant General, Kerala, Trivendrum	Accountant General, Chirasa, Ehubaneshwar.		30-3-1981

No. CA.1/75-81.—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Comm) has been pleased to promote the following Section Officers (Commercial) and appoint them to officiate as Audit Officers (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in column 4 below with effect from the dates mentioned in column 5 below until further orders.—

Sl. No.	Name of the S.O. (C)	Office where working before promotion	Office where posted on promotion	Date of promotion as AO (C)
1	2	3	4	5
1. Shri S. Ramanujam	C.A.G. of India, New Delhi.	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Bangalore.		13-5-1981
2. Shri Dya Saankar Pathak	Accountant General-II, Uttar Pradesh, Lucknow.	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Ranchi.		29-5-1981 ⁹
3. Shri Suresh Chandra Varshney	C.A.G. of India, New Delhi	Accountant General-II, Bihar, Patna.		30-5-1981
4. Shri Narindra Pal Singh Jadon	Accountant General-II, Madhya Pradesh, Gwalior	Director of Audit, (S&CD), Bombay		29-5-1981 (A.N.)
5. Shri Hari Govind	Do.	Accountant General, Gujarat, Ahmedabad.		25-5-1981
6. Shri Amiya Kumar Dutta	C. A. G. of India, New Delhi	Accountant General, West Bengal-II, Calcutta.		28-5-1981
7. Shri R. Ramalingam	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Madras.	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Hyderabad.		29-5-81
8. Shri Bijan Kumar Mukherjee	Accountant General-II, West Bengal, Calcutta.	Accountant General-II West Bengal, Calcutta.		2-5-1981
9. Shri Gunesh Chandra Roy	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, (Coal), Calcutta.	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, (Coal), Calcutta.		2-5-1981
10. Shri B.C. Sanyasi Rao	C.A.G. of India, New Delhi	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Hyderabad.		28-5-1981
11. Shri A. Gopi	Accountant General (C), Tamil Nadu, Madras.	Accountant General II, West Bengal, Calcutta		28-5-1981
12. Shri V. Srinivasan IV	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Madras.	Accountant General-II, West Bengal, Calcutta.		28-5-1981
13. Shri Om Parkash Aggarwal	Accountant General-II, Madhya Pradesh, Gwalior.	Accountant General, Haryana, Chandigarh.		29-5-1981
14. Shri S. Nanjundaraju	Accountant General, Karnataka, Bangalore.	Accountant General, Karnataka, Bangalore.		7-5-1981

M. A. SOMESWARA RAO
Deputy Director (Commercial)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
RAJASTHAN

Jaipur, the 14th September 1981

No. Admn.IIG-Notification/1125.—The Accountant General, Rajasthan is pleased to promote the following Selection Grade Section Officers of this office and appoint them as officiating Accounts Officers with effect from the dates noted against each until further orders :—

S/Shri

1. Ghasi Ram Gupta.—1-9-81 (F/N).
2. D. C. Bhandari.—31-8-81 (A/N).
3. C. N. Ranade.—31-8-81 (A/N).
4. J. S. Srivastava.—31-8-81 (A/N).
5. K. I. Godha.—1-9-81 (F/N).
6. S. K. Khanna.—1-9-81 (F/N).

Sd/- ILLEGIBLE

Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
UTTAR PRADESH

Allahabad, the 8th September 1981

No. Admn.I/11-144/Notification/2950.—The Accountant General I U.P., Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officer in his office until further orders with effect from the dates noted against each :—

1. Shri Udho Prasad Singh.—2-9-81 (F/N).
2. Shri T. N. Agrwal.—2-9-81 (F/N).
3. Shri S. C. L. Singhal.—29-8-81 (F/N).
4. Shri Umesh Chandra.—2-9-81 (F/N).

G. C. SRIVASTAVA

Senior Deputy Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE

DGOF HQRS. CIVIL SERVICE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700069, the 7th September 1981

No. 17/81/A/E-1.—On attaining the age of superannuation, the under mentioned officers retired from service with effect from 31st August 1981 (A/N) :—

1. Shri Durgapada Mondal, Substantive & Pmt. Assistant/Offg. Asstt. Staff Officer.
2. Smt. Laxmi Menon, Substantive & Pmt. Assistant/Offg. Asstt. Staff Officer.

D. P. CHAKRAVARTI
ADGOF/Admin.

for Director General, Ordnance Factories

Calcutta, the 31st August 1981

No. 7/81/A/M.—The President is pleased to make the following amendment to the Gazette Notification bearing Ordnance Factory Board Notification No. 2/80/A/M dated 11th March 1980 regarding resignation of Dr. Keshav Singh Sagar and Dr. Arup Roy, Assistant Medical Officers of Gun & Shell Factory, Cossipore :—

(i) For "w.e.f. 7-4-79 (AN)"

Read "w.e.f. the date indicated against each"

(ii) Against "Dr. Keshav Singh Sagar, AMO" at Sl. No. 1 thereof

Insert : "w.e.f. 10-4-79 (AN)"

Against "Dr. Arup Roy, AMO" at Sl. No. 2 thereof

Insert : "w.e.f. 8-4-79 (AN)"

R. G. DEOLALIKAR
Addl. DGOF/Member (Personnel)

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF
IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 11th September 1981

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISSEMENT)

No. 6/666/62-Admn(G).5419.—On attaining the age of superannuation Miss S. Dhanda, relinquished charge of the post of Deputy Chief Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of the 31st August, 1981.

A. N. KAUL

Dy. Chief Controller of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi-110011, the 15th September 1981

F. No. A-12028/1/80-Admn.(G).—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Small Industries Development Organisation (Technical Publicity Division—Group 'A' Posts) Recruitment Rules, 1977, namely :—

1. Short Title and Commencement.

(1) These rules may be called the "Small Industries Development Organisation (Technical Publicity Division—Group 'A' posts) Recruitment (Amendment) Rules 1981".

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Small Industries Development Organisation (Technical Publicity Division—Group 'A' posts) Recruitment Rules 1977;

(1) in sub-rule (1) of rule 1, for the figures "1977", the figures "1978" shall be substituted.

(2) in rule 5, the words at the end "or posts" shall be omitted.

H. L. JUNEJA
Dy. Director (Admn.)

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 31st August 1981

ORDFR

No G-3(34)1/81.—The following amendments are hereby made in Schedule I of the Gas Cylinders, Rules, 1981, under the powers conferred by rule 3(1) of the said rules :

Types and Standards of containers of Indian origin appearing under item 1(a) are substituted by the following :—

"(a) Tonne containers for low pressure liquefiable gas service conforming to BS : 1500 : Part I : Class I Vessels—manufactured by the following manufacturers and inspected & certified by Lloyd's Register Industrial Services—

1. Anup Engineering Co. Ltd., Ahmedabad,
2. Bharat Heavy Plates & Vessels Ltd., Visakhapatnam;
3. Indian Sugar & General Engineering Corpn., Yamunagar (Haryana);
4. Kaveri Engineering Industries Ltd., Golden Rock, Tiruchirappalli;
5. Kosan Metal Products Pvt. Ltd., Jaxmi Insurance Building, Sir P. M. Road, Bombay;

6 Larsen and Toubro Ltd, Sakinaka Road
Bombay

CHARANJIT LAI
Chief Controller of Explosives

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A 1)

New Delhi the 17th September 1981

No A 1 2(360)—The President is pleased to appoint the following officers who have been officiating as Directors (Gr I of Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi on *ad hoc* basis, to officiate as Director (Grade I of Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate at New Delhi on regular basis with effect from 3rd September 1981 —

- 1 Shri S I Kapur
- 2 Shri M K Bhatnagar
- 3 Shri J P Mohindroo

2 S/Shri Kapur Bhatnagar and Mohindroo on promotion as Directors of Supplies on regular basis, are placed on probation for two years from 3rd September 1981 (FN)

The 18th September 1981

No A-1/1(585)—On their reversion to the post of Deputy Director (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A'), the following officers relinquished charge of the office of the Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals New Delhi with effect from the afternoon of the 14th September 1981 —

- 1 Shri V S Chawla
- 2 Shri R C Malik

No A 1/1(740)—The President is pleased to appoint the following Deputy Directors (Grade II of Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies & Disposals New Delhi, to officiate as Director (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate General at New Delhi on regular basis with effect from 14th September 1981 (AN) —

- 1 Shri S Koteswar
- 2 Shri S I Jindal

2 S/Shri Koteswar and Jindal on promotion as Director of Supplies on regular basis are placed on probation for two years from 14th September 1981 (AN)

No A 1/1(1164)—Shri Paritosh Ghosh officiating Assistant Director (Lit) (Gr II) on *ad hoc* deputation basis in the office of Director of Supplies and Disposals, Calcutta, is reverted to the post of Junior Field Officer in the same office with effect from 31st August 1981 (AN)

No A 1/1(1166)—Shri B W Shahdarpuri, who was appointed on purely local and *ad hoc* basis as Assistant Director (Admn) (Gr II) in the office of the Director of Inspection, Bombay has been reverted to the non gazetted post of Superintendent (Level II) w.e.f. 1st August 1981 (FN)

No A 1 1(1178)—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri T J Anthony Superintendent in the office of Director of Supplies & Disposals Bombay to officiate as Assistant Director (Admn) (Gr II) on purely local and *ad hoc* basis in the office of the Director of Inspection Bombay with effect from the forenoon of 1st August 1981 *vice* Shri B W Shahdarpuri Asstt Director (Admn) (Gr II) reverted

No A 1 1(1179)—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri V S Murdeshwar Superintendent in the office of Director of Supplies and Disposals, Bombay to officiate on purely local and *ad hoc* basis as Assistant Director (Admn) (Gr II) in the office of Director of Supplies (Textiles) Bombay with effect from the forenoon

of 1st August 1981 *vice* Shri M J Fahilani AD (Admn) (Gr II) retired on 31st July 1981 (AN)

S L KAPOOR
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL & MINES
DEPTT OF STEEL
IRON & STEEL CONTROL

Calcutta 20, the 14th September 1981

No EI-2(1)/79()—Iron & Steel Controller hereby appoints Shri Makhan Lal Bhowal, Superintendent on promotion to officiate in the post of Assistant Iron & Steel Controller in this office w.e.f. 8th September 1981 (FN)

S N BISWAS
Joint Iron & Steel Controller

DIRECTORATE GENERAL ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 14th September 1981

No 5(39)/68-SI—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri R K Jha, Transmission Executive, All India Radio Darbhanga as Programme Executive, All India Radio, Darbhanga in a temporary capacity on an *ad hoc* basis with effect from the afternoon of 24th August 1981 and until further orders

H C JAYAL
Dy Director of Administration
for Director General

New Delhi, the 14th July 1981

No 10/86/75-SII—Consequent upon his selection as Senior Scientific Officer in the Department of Electronics Govt of India, Shri R Subburaj, Asstt Engineer AIR, Pondicherry has been relieved of his duties in All India Radio w.e.f. the forenoon of 15th May, 1981.

The 21st July 1981

No 10/4/78-SIII—Consequent upon his resignation Shri D K Traneja Assistant Engineer, All India Radio, Ahmedabad has been relieved of his duties in AIR, w.e.f. the afternoon of 11th July 1981

The 22nd July 1981

No 10/47/79-SIII—Consequent upon acceptance of his resignation Shri Ashok Kumar Desarkar Asstt Engineer, All India Radio, Calcutta has been relieved of his duties in All India Radio, w.e.f. the afternoon of 5th July 1981

The 23rd July 1981

No 15 182/62 SIII(Pt)—On attaining the age of superannuation Shri Ghulam Mohiuddin, Asstt Engineer, Doodhdaishan Kendra Srinagar has retired from service w.e.f. the afternoon of 31st May 1981

H N BISWAS
Deputy Director of Administration
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi the 10th September 1981

No A-19019/8/81(AIIPMR)/Admn I—The Director General of Health Services is pleased to accept the resignation of Shri K Narendra Kumar Superintendent Prosthetic and Orthotic Workshop, All India Institute of Physical Medicine and Rehabilitation Bombay with effect from the afternoon of 15th May 1981

No A 32014/3/81(JIP)/Admn I—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K Jayaraman Assistant Librarian Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education & Research, Pondicherry to the post of

Librarian in the same Institute on a purely ad-hoc basis with effect from the forenoon of 12th August 1981 and until further orders.

T. C. JAIN
Dy. Director Administration (O&M)

New Delhi, the 11th September 1981

No. A-17023/2/81-(HQ)-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri B. R. Bajaj, Investigator (Statistics) Directorate General of Health Services to the post of Research Officer in the same Directorate purely on an *ad-hoc* basis for a period of six months from the forenoon of 31st July 1981 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

The 18th September 1981

No. A-34014/2/77(CRI)-Admn.I.—On reversion to his parent Department, Shri A. S. Gupta relinquished charge of the post of Administrative Officer at Central Research Institute, Kasauli on the afternoon of the 12th August, 1981.

The 19th September 1981

No. A-38013/2/81-Admn.I.—On attaining the age of superannuation Kumari R. Verghese, Superintendent, Lady Reading Health School, Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 31st August, 1981.

S. L. KUTHIALA
Dy. Director Administration (O&M)

MINISTRY OF PURAL RECONSTRUCTION

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 18th September 1981

No. A-19025/26/81-A.III.—On the recommendation of the Union Public Service Commission the following Officers have been appointed to officiate as Assistant Marketing Officers (Group D) in this Directorate at Nagpur w.e.f. 1st September 1981 (FN), until further orders:—

1. Shri R. P. Gajbhiye
2. Shri Vinod Kumar Goel
3. Shri Rajaram Rawat
4. Shri Akshay Kumar Bisaria
5. Shri Manohar Singh Dhillon
6. Shri Satyanjai Yadav
7. Shri Pawar Vijay Singh Narayan
8. Shri Satish Chandra Srivastav
9. Shri Y. Malleswara Rao
10. Shri Surendra Kumar Srivastava
11. Shri Jagan Singh Ahlawat
12. Shri R. Mohana Sundaram
13. Shri Prem Singh Sihhi

B. L. MANIJIAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 31st August 1981

No. PA/68(6)/77-R-V.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre extends the appointment of Shri Upadhyay Radhe Shyam as Scientific Officer/Engineer Grade SB in Beryllium Pilot Plant Project of this Research Centre in a temporary capacity with effect from the afternoon of September 30, 1981 on fixed term for a period upto the afternoon of June 30, 1982.

V. R. PATGAONKAR
Dy. Establishment Officer

Bombay-400 085, the 10th September 1981

No. PA/79(11)79-R III.—On transfer from Atomic Minerals Division, Shillong, Shri Mukund Singh Assistant Personnel Officer has assumed charge of the post of Assistant Personnel Officer in Bhabha Atomic Research Centre, Nuclear Research Laboratory at Srinagar, with effect from the forenoon of August 24, 1981.

A. SANTHAKUMARA MENON
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 15th September 1981

Ref. No. DPS/2/1(16)/77-ADM/18419.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri M. R. Prakash, Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer (Ad-hoc) in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—FB—49—1200 in the same Directorate with effect from March 16, 1981 (FN) to September 30, 1981 (AN) vice Shri B. D. Kandpa, Assistant Stores Officer granted leave.

K. P. JOSEPH
Administrative Officer.

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Bombay-400 001, the 15th September 1981

Ref. No. DPS/2/1(16)/77-ADM/18419.—The Director, Atomic Energy hereby appoints Shri Ashok Kumar Bhatt as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of August 24, 1981 until further orders.

M. S. RAO
Sr. Administrative & Accounts Officer.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 15th September 1981

No. A. 32014/5/80-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following two Technical Assistants to the grade of Asstt. Technical Officer on regular basis with effect from the date indicated against each to post them to the station indicated against each:—

Sl. No.	Name	Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1. Shri F. S. Bhatia		A C S Nuh	Radio Const & Dev. Units, New Delhi.	11-8-81 (FN)
2. Shri G. J. Mehta		A C S, Rajkot	A C S., Bhavnagar	28-8-81 (FN)

PREM CHAND
Asstt. Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 19th September 1981

No. A-12025/6/77-ES.—In continuation of this Department Notification of even number dated 28th March 1981, the President is pleased to sanction the continued ad hoc appointment of Shri Satindra Singh to the post of Dy. Director of Air Safety/Regional Controller of Air Safety (Engg.) for a further period upto 30th November 1981 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier on usual terms and conditions.

J. C. GARG
Asstt. Director of Administration
for Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 3rd August 1981

No. A-32013/11/80-EA-11.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Aerodrome Assistant to the grade of Assistant Aerodrome Officer, on purely ad-hoc basis, for a period of six months with effect from the date mentioned against each name or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier. They are posted at Civil Aviation Training Centre, Bamrauli, Allahabad.

1. Shri O. P. Malhotra—6th July 1981.
2. Shri Omkar Singh—6th July 1981.
3. Shri M. Goary—6th July 1981.
4. Shri A. K. Dhupar—6th July 1981.
5. Shri Satish Kumar Deswal—6th July 1981.
6. Shri K. G. Sharma—6th July 1981.
7. Shri Amir Chand Srivastava—12th July 1981.
8. Shri P. R. Patwardhan—6th July 1981.
9. Shri K. D. Uthaya—6th July 1981.
10. Shri Shri K. B. Raghuvanshi—10th July 1981 (AN)
11. Shri Kuldeep Singh—6th July 1981.
12. Shri M. Chandrashekar—6th July 1981.
13. Shri I. Shivraj—9th July 1981.
14. Shri S. N. Chanda—6th July 1981.

S. GUPTA
Dy. Director of Administration

New Delhi, the 15th September 1981

No. A. 38013/1/81-EC.—The undermentioned four officers of Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of their office on retirement on attaining the age of superannuation on 31-8-81 (AN) at stations indicated against each:-

Sl. No.	Name & Designation	Station of posting
1.	Shri J. L. Suri, Tech. Officer	Aero, Comm. Stn, Safdarjung Airport, New Delhi.
2.	Shri S.P. Singha, Asstt. Comm. Officer	Aero. Comm. Stn, Safdarjung Airport, New Delhi.
3.	Shri R. K. Gupta, Asstt. Comm. Officer	Aero. Comm. Stn, Safdarjung Airport, New Delhi.
4.	Shri K. S. Chopra, Asstt. Comm. Officer.	D.G.C.A. (HQ), New Delhi.

PREM CHAND
Assistant Director of Administration.

New Delhi, the 16th September 1981

No. A-32013/2/81-EW.—The President is pleased to appoint Shri Raminder Singh Sra, Assistant Fire Officer to the grade of Fire Officer on ad hoc basis for a period of six months with effect from 18th August, 1981 or till the regular appointment to the grade is made whichever is earlier.

2. The ad hoc appointment of Shri R. S. Sra, Assistant Fire Officer shall not bestow on him a claim for regular 9—276GI/81

appointment and the services so rendered will neither count for seniority in the grade nor eligibility for promotion to the next higher grade.

3. Shri Sra is posted to the office of the Regional Director, Calcutta Region, Calcutta with effect from the same date.

E. L. TRESSLOR
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 19th September 1981

No. 1/107/81-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. S. Gakhar, Technical Assistant, Ahmed Satellite Earth Station, Lachhiwala, Dehra Dun as Assistant Engineer, in the same Branch, with effect from the forenoon of the 28th April 1981 and until further orders.

No. 1/192/81-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri V. Idichandi, Superintendent, New Delhi as Asstt. Admn. Officer, in an Officiating Capacity in the DTS, Poona with effect from the forenoon of the 1st August 1981 and until further orders.

No. 1/268/81-FST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri V. C. Sharma, Technical Assistant, Dehra Dun as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 4th May 1981 to 12th June 1981, against short term vacancy, purely on *ad-hoc* basis.

H. L. MALHOTRA
Dy. Director (Admn.)
for Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Bhubaneswar, the 14th September 1981

No. 9/81.—On promotion the following Inspectors (SG) of Customs & Central Excise have assumed charge as Superintendent of Customs and Central Excise, Group 'B' at the places and date mentioned against each.

1. Shri N. C. Mitra,
Superintendent,
Central Excise & Customs,
Bhubaneswar.
2. Shri B. P. Nandi,
Superintendent
Central Excise,
Rayagada-II Range
Sambalpur Division,

No. 10/81.—Shri Krutibas Das, Superintendent, Central Excise & Customs Group 'B' posted at Headquarters Office, Central Excise & Customs, Bhubaneswar, retire from Service in this Department on Superannuation in the afternoon of 31st August 1981.

P. N. SARANGI
Assistant Collector (Hdqs.)
Central Excise & Customs

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-22, the 3rd September 1981

No. 22/1/81-Adm.I(B).—The Chairman, Central Electricity Authority, hereby appoints Shri Arun Puranik, Supervisor, to the grade of Extra Assistant Director of the Central Power Engineering (Group B) Service, in the Central Electricity Authority with effect from the forenoon of 7th August 1981 in an officiating capacity, until further orders.

S. BISWAS
Under Secy.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,
MAHARASHTRA

Bombay-2, the 15th September 1981

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Advertising Motivation Services Private Limited*

No 621/15022/560(3) —Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Advertising Motivation Services Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Poddar Engineering Private Limited*

Bombay-400 002, the 15th September 1981

No 623/18246/560(3) —Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Poddar Engineering Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Kripis Consultants Private Limited*

Bombay-400 002, the 15th September 1981

No 624/18588/560(3) —Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Kripis Consultants Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Jal P Cassad and Son Private Limited*

Bombay-400 002, the 15th September 1981

No 628/10645/560(3) —Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Jal P Cassad and Son Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Ring's Appliances Corporation Private Limited*

Bombay-2, the 15th September 1981

No 6143/560(5) —Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Ring's Appliances Corporation Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Brahmapuri Club Limited*

Bombay-400 002, the 17th September 1981

No 626/20430/560(3) —Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Brahmapuri Club Limited, unless

cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

O P JAIN
Addl Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,
KARNATAKA

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Gojar & Company Engineers & Manufacturers
Private Limited*

Bangalore the 17th September 1981

No 3432/560/81 82 —Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Gojar & Company Engineers & Manufacturers Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Cauvery Fertilisers and Chemicals Private Limited*

Bangalore, the 17th September 1981

No 3292/560/81-82 —Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Cauvery Fertilisers and Chemicals Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s MMACSR Conductors Private Limited*

Bangalore, the 17th September 1981

No 3005/560/81 81 —Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s MMACSR Conductors Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved

*In the matter of the Companies Act 1956 and of
M/s Gotawat Conductors Private Limited*

Bangalore, the 17th September 1981

No 3006/560/81-82 —Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Gotawat Conductors Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved

*In the matter of the Companies Act 1956 and of
M/s Ceirs Research and Consultancy Private Limited*

Bangalore, the 17th September 1981

No 3159/560/81-82 —Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Ceirs Research and Consultancy Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved

P T GAJWANI
Registrar of Companies
Karnataka Bangalore

*In the matter of the Companies Act 1956 and of
Bharat Banijya Bistar Private Limited*

Calcutta, the 18th September 1981

No 16506/560(5) —Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956 that the name of Bharat Banijya Bistar Private Limited has

this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Ram Gases Limited*

Calcutta, the 18th September 1981

No. 29003/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Ram Gases Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Stahl Manufacturing (India) Private Limited*

Calcutta, the 18th September 1981

No. 30822/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of above company has this day been struck off Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Dolaguri-Kathoni Tea Estate Private Limited*

Calcutta, the 18th September 1981

No. 16162/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Dolaguri-Kathoni Tea Estate Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Mitra Vihar Private Limited*

Calcutta, the 18th September 1981

No. 21725/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Mitra Vihar Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Kohinoor Pictures Private Limited*

Calcutta, the 18th September 1981

No. 15916/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Kohinoor Pictures Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Food Grains Emporium Private Limited*

Calcutta, the 18th September 1981

No. 11316/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Food Grains Emporium Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Hind General Mercantile Agency Limited*

Calcutta, the 18th September 1981

No. 23071/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof

the name of the Hind General Mercantile Agency Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Pantagon Instruments Private Limited*

Calcutta, the 18th September 1981

No. 31415/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Pantagon Instruments Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Oriental Insurance Corporation Limited*

Calcutta, the 18th September 1981

No. 6998/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Oriental Insurance Corporation Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Sankarson Enterprises (India) Private Limited*

Calcutta, the 18th September 1981

No. 30668/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Sankarson Enterprises (India) Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
G. E. Brake Equipments Private Limited*

Calcutta, the 18th September 1981

No. 27279/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the G. E. Brake Equipments Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Gidni Minerals Private Limited*

Calcutta, the 18th September 1981

No. 24864/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Gidni Minerals Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
R. K. Makhal & Co. Private Limited*

Calcutta, the 18th September 1981

No. 24191/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of R. K. Makhal & Co. Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Lachmi Narayan Mahabir Prasad Private Limited*
Calcutta, the 18th September 1981

No. 24487/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Lachmi Narayan Mahabir Prasad Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Metropolitan Structural Works Private Limited*
Calcutta, the 18th September 1981

No. 11309/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Metropolitan Structural Works Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Shiva Ram Singh & Bros. (Coal) Private Limited*
Calcutta, the 18th September 1981

No. 28001/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Shiva Ram Singh & Bros. (Coal) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Galaxy Electricals Private Limited*
Calcutta, the 18th September 1981

No. 29253/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Galaxy Electricals Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Sindri Hydro Carbons Limited*
Calcutta, the 18th September 1981

No. 29265/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sindri Hydro Carbons Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Wood's Agencies Private Limited*
Calcutta, the 18th September 1981

No. 25587/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Wood's Agencies Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Hable Construction Private Limited*
Calcutta, the 18th September 1981

No. 31437/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Hable Construction Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Neogy Chemicals Private Limited*
Calcutta, the 18th September 1981

No. 28227/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Neogy Chemicals Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Shree Yarn Industries Private Limited*
Calcutta, the 18th September 1981

No. 28836/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Shree Yarn Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Bengal Elektrocraft Private Limited*
Calcutta, the 18th September 1981

No. 29229/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Bengal Elektrocraft Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Baruipore Kachari Bazar Private Limited*
Calcutta, the 18th September 1981

No. 28071/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Baruipore Kachari Bazar Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Full Chrome Tannery Private Limited*
Calcutta, the 18th September 1981

No. 26343/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Full Chrome Tannery Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. R. V. V. SATYA NARAYANA
Assistant Registrar of Companies,
West Bengal.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th September 1981

Ref. No. 13/Reference/81-82.—Whereas I, **BIBEK BANERJI**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ghaziabad on 27-1-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jawahar Lal s/o Shri Har Bhajan Lal,
R/o IIIrd D1-2, Nehru Nagar,
Ghaziabad. (Transferor)
- (2) Shri Baldeo Raj S/o Shri Harish Chandra,
Raheja Lavkesh Raj Raheja S/o Shri
Baldeo Raj Raheja R/o
B-1, Model Town, Ghaziabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house property measuring 1033.55 Sq. Mtrs. situated at IIIrd D-1 and 2, Model Town, Ghaziabad.

BEBEK BANERJI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 15-9-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th September 1981

Ref. No. 8/Reference/81-82/7448.—Whereas I, **BIBEK BANERJI**,

being the Competent Authority under Section 207B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Kanpur on 5-1-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Pashupati Nath Mehrotra S/o
Shri Buddhu Lal Mehrotra,
45/63, Gaya Prasad Street,
Kanpur.

(Transferor)

- (2) Smt. Nirmala Devi W/o
Shri Shyam Sunder Agarwal,
Smt. Urmila Devi Agarwal D/o
Shri Jai Kishan Agarwal,
Shri Radha Kishan Agarwal,
Shri Sri Ram Agarwal S/o
Shri Om Prasad Ranilwala,
439/H-2, Kidwai Nagar, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One bungalow No. 27 situated at 27, Contonment, Mahatma Gandhi Road, Kanpur.

BEBEK BANERJI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 16-9-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTT. COMMISSIONER,
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th September 1981

Ref. No. IAC/Acq/1052.—Whereas, I, M. L. Chauhan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Alwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Alwar on 26-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Svs. Shri Nawal Kishore, Hazari Lal, Poolchand, Banshidhar, & Bharat, Niwasi Kedai Ganj, Alwar.

(Transferor)

(2) Shri Tilak Raj S/o Madan Lal, No. 3909, Gall, Banasadar Bazar, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Plot, Dandpura, Alwar & more fully described in the sale deed registered by S.R., Alwar vide his registration No. 334 dated 26-3-81.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 9-9-81
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shrimati Santosh Wd/o Shri Devraj Malhotra,
Shri Madan Mohan & Shri Krishna Mohan
Malhotra sons of Devraj Malhotra,
Hathi Bhata, Ajmer. (Transferor)
- (2) Shri Gopi Singh & Madan Singh sons of
Shri Beeja Singh, Meo Link Road, Ajmer. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th September 1981

Ref. No. IAC/Acq./1051.—Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Ajmer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajmer on 4-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Plot at Meo Link Road, Ajmer & more fully described in the sale deed registered by S.R., Ajmer vide his registration No. 602 dated 4-3-81.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 9-9-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th September 1981

Ref. No. IAC/Acq./1047.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land situated at Beawar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 1-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly, stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
10—276GI/81

- (1) Shri Mukut Bihari Lal Bhargava S/o
Vinodi Lal Bhargava, Niwasi Chomu House,
Jaipur. (Transferor)
- (2) M/s. Mahavir & Co., Beawar
P/o Shri Mohan Singh Lodha &
Shri Lal Chand Sindhi, Beawar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Bramhanand Bagichi Marg, National Highway No. 8, Beawar & more fully described in the sale deed registered by S.R., Beawar vide his registration No. 12 dated 1-1-81.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 9-9-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th September 1981

Ref. No. IAC/Acq./1050.—Whearas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 961/4 situated at Jodhpur (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 21-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sukhraj S/o Shri Johar Mal Ji Jain,
Barmar. (Transferor)
(2) Shrimati Indira Devi W/o Shri Shiv Narain Kumar,
Bhagat Ki Kothi, Jodhpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 961/4, Residency Road, Sardarpura Area, Jodhpur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jodhpur vide his registration No. 679 dated 21-1-81.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jaipur

Date : 9-9-81
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Chhoga Lal S/o Sardar Mal Jain,
Mochi Wada, Udaipur. (Transferor)
- (2) Svs. Shri Keshav Kumar & Om Prakash sons of
Relu Mal Sindhi, 36, Shakti Nagar,
Udaipur. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th September 1981

Ref. No. IAC/Acq./1048.—Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 55,000/- and bearing

No. Plot No. 124 situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 24-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House situated at No. 124 Sector No. 11, Hiran Magri, Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide his registration No. 85 dated 24-1-81.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-9-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE;
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st September 1981

Ref. No. P.R. No. 1399 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I,
G. C. GARG,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.S. No. 142, T.P.S. 6, F.P. 388, paiki S.P. No. 18,
situated at Paldi, Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 23-1-1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Gurishchandra Ratilal Shah;
Through : Power of Attorney Holder—
Shri Kiritkumar Ratilal Shah,
Mangalpark, Opp. Vishvabandhu Society,
Sarkhej Road, Paldi, Ahmedabad-7.

(Transferor)

(2) Shri Mahendrakumar Popatlal Mehta;
Mahavirchhaya Apartment Coop. Housing Society
Ltd., Near Sanjivani Hospital, Paldi,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 480 sq. yards bearing S. No. 142, TPS. 6,
F.P. No. 338, Paiki Sub-plot No. 18, situated at Paldi,
Ahmedabad, duly registered by Registering Authority, vide
sale-deed Nos. 1014 and 1015/23-1-81, i.e. property as fully
described therein.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date : 1st September, 1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE;
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st September 1981

Ref. No. P.R. No. 1398 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I,
G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 456 (Part) Plot No. 24-25B situated at Nirmala Convent School Road, Yoginiketan Society, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Sudhir Development Co.
C/o Bhagwanjee Mangaljee Nathwani;
'Mangalam', 27, Prahlad Plot,
Prahlad Road, Rajkot. (Transferor)
- (2) Shri Ratanshi Naranbhai Patel & others;
C/o 13, Vidyabhavan Society,
22, New Jagnath, Rajkot. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot bearing S. No. 456 (Part), Plot No. 24-25-B situated at Nirmala Convent School Road, Yoginiketan Society, Rajkot duly registered by Registering Authority, S.R. Rajkot vide sale-deed No. 512/81 January, 1981 i.e. as fully described in the said sale-deed.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, AhmedabadDate : 1st September, 1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
CALCUTTA

Calcutta, the 15th September 1981

Ref. No. 953/Acq.R-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

102 situated at Southern Avenue, Calcutta

(Flat No. 12/MW)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Calcutta on 21-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Late Apartment Co-operative Housing Society Ltd.
102, Southern Avenue, Calcutta-29.

(Transferor)

(1) A. B. De
102, Southern Avenue, Calcutta-29.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on the 3rd floor (Middle East) situated at premises No. 102, Southern Avenue, Calcutta with 900 sq. ft. plinth area.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafli Ahmed Kidwai Road, Calcutta-7,00016

Date : 15-9-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Uday Ratan Banerjee.

(Transferor)

(2) Sri Jaladhi Ratan Banerjee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
CALCUTTA

Calcutta, the 15th September 1981

Ref. No. 954/Acq.R-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at 26 Lake Road, 90 and 92, Lake View Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 9-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/3rd share of house property being premises at 26 Lake Road, 90 & 92 Lake View Road, Calcutta covering an area 6 cottahs 8 chittacks and 40 sq. ft.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-9-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna-800001, the 17th September 1981

Ref. No. III-512/Acq/81-82.—Whereas, I, H. NARAIN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Ward No. 12 Holding No. 18 Z, Plot No. 18 Z, Block B situated at Road No. 6-B, Rajendra Nagar, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 10-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. (Cap.) Jayanta Basu
S/o Dr. (Col.) A. K. Basu
Through his duly constituted attorney
Mrs. Runu Basu wife of late Dr. (Col.) A. K. Basu,
At present R/o 497-D, Block 'M', New Alipore,
Calcutta and R/o Road No. 6 B,
Rajendra Nagar, Patna-16.
(Transferor)
- (2) Dr. Achyutananda Sinha S/o Late Sri Gaya Prasad,
At present posted as Professor and
Head of E.N.T. Dept. of Patna Medical College &
Hospital Patna and residing at Road No.
6-B, Rajendra Nagar, Patna-16.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that one third share of the vendor in the piece of land bearing plot No. 18 Z in Block B measuring 531.138 sq. yds. with some construction thereon situated at Road No. 6-B Rajendra Nagar, Patna more fully described in deed No. 118 dated 10-1-81 registered with D.S.R. Patna.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna

Date : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna-800001, the 17th September 1981

Ref. No. III-511/Acq/81-82.—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 12 Holding No. 18 Z, Plot No. 18 Z, Block B situated at Road No. 6-B, Rajendra Nagar, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patna on 10-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of the such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

11—276 (11/81

(1) Shri Pratik Basu
S/o late Dr. (Col.) A. K. Basu
Through his duly constituted attorney
Mrs. Runu Basu wife of late Dr. (Col.) A. K. Basu,
At present R/o 497-D, Block 'M', New Alipore,
Calcutta and R/o Road No. 6 B,
Rajendra Nagar, Patna-16.

(Transferor)

(2) Dr. Achyutananda Sinha S/o Late Sri Gaya Prasad,
at present posted as Professor and
Head of E.N.T. Dept. of Patna Medical College &
Hospital Patna and residing at Road No.
6-B, Rajendra Nagar, Patna-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herewith are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

All that one third share of the vendor in the piece of land bearing plot No. 18 Z in Block B measuring 531.138 sq. yds. with some construction thereon situated at Road No. 6-B Rajendra Nagar, Patna morefully described in deed No. 78 dated 9-1-81 registered with D.S.R. Patna.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna

Dated : 17-9-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna-800001, the 17th September 1981

Ref. No. III-513/Acq/81-82.—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Holding No. 18Z, Plot No. 18Z, Ward No. 12 Block B situated at Road No. 6-B, Rajendra Nagar, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 10-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Runu Basu
W/o late Dr. (Col.) A. K. Basu
At present R/o 497-D, Block 'M', New Alipore,
Calcutta and R/o Road No. 6 B,
Rajendra Nagar, Patna-16. (Transferor)
- (2) Dr. Achyutananda Sinha S/o Late Sri Gaya Prasad,
at present posted as Professor and
Head of E.N.T. Dept. of Patna Medical College &
Hospital and residing at Road No.
6-B, Rajendra Nagar, P. S. Kadankuan, Patna-16. (Transferee)
- (3) Transferee (Dr. Achyutananda Sinha).
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that one third share of the vendor in the piece of land bearing plot No. 18 Z in Block B measuring 531.138 sq. yds. with some construction thereon situated at Road No. 6-B Rajendra Nagar, Patna morefully described in deed No. 29 dated 5-1-81.

H. NARAIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna

Dated : 17-9-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BIHARBORING CANAL ROAD,
PATNA-800001

Patna-800001, the 17th September 1981

Ref. No. III-514/Acq/81-82.—Whereas, I, H. NARAIN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khata No. 33, Khewt No. 1 Touzi No. 28, Thana No. 108 situated at Parihari Gurudih, P.S. Gomia, District Giridih (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Giridih on 3-1-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Murli Bhagat S/o Late Thakur Bhagat of Jantara, P.S. Dumri, District Giridih. (Transferor)
- (2) 1. Shri Sushil Kumar Juneja
S/o Shri Gyanchand Juneja.
- (2) 1. Shri Sushil Kumar Juneja
W/o Shri Gobind Singh Juneja.
3. Smt. Alka Juneja
W/o Shri Amar Singh
4. Smt. Kamini Devi Yadav
W/o Shri Sibendra Pd. Yadav.
5. Smt. Kiran Yadav
W/o Shri Indrajit Yadav.
6. Smt. Rekha Roy
W/o Shri Sudhir Kumar Roy.
All resident of Bokaro Thermal
Pragana : Jageshwar, P.S. Bermo,
District Giridih.
7. Smt. Sarda Saluja
W/o Shri Bijoy Kumar Saluja,
Saluja House, Giridih District Giridih. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 52 decimals with Pucca Cinema building situated in Village Parihari Gurudih, P.S. Gomia, District Giridih morefully described in deed No. 78 dated 3-1-81 registered with D.S.R. Giridih.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Dated : 17-9-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BIHAR

Patna-800001, the 17th September 1981

Ref. No. III-515/Acq/81-82.—Whereas, I, H. NARAIN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 54 and 52, Khata No. 507, Touzi No. 15354/869, Khata No. 510, Touzi No. 227 Block B and oddes, situated at Boring Road, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 5-1-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Bani Day W/o Late Sri Asish Kumar Day
Attorney of her daughter
1. Smt. Jaya Shree Roy W/o Gopal Chandra Roy
2. Debashish Day S/o Asish Kumar Day
At present 22/5/2, Rustumjee Street, Calcutta.

(Transferor)

- (2) Smt. Pushpa Hirani W/o Sri Naniks Hirani
At present R/o Boring Road, P.S. Kotwali,
District Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Kathas 17 dhurs 5 dhurkies situated at Boring Road, Patna morefully described in deed No. 51 dated 5-1-81 registered with D.S.R., Patna.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Dated : 17-9-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE ASSTT. COMMISSIONER OF
INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BIHAR
BORING CANAL ROAD,
PATNA-800001

Patna-800001, the 17th September 1981

Ref. No. III-517/Acq/81-82.—Whereas, I, H. NARAIN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 186, 185 Khata No. 176, 181 Survey Thana No. 7, Phulwari Touzi No. 391 situated at Dhakanpura now called Boring Road, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 13-1-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Prabhat Kumar Sinha
2. Shri Pankaj Kumar Sinha
3. Shri Binod Kumar Sinha
4. Shri Prem Kumar Sinha,
All sons of Shri Ganesh Lal of Boring Road,
P.S. Kotwali, Patna-1. (Transferor)
- (2) Dr. Umakant Choudhary
S/o Late Haldhar Choudhary
of Mohalla Boring Road, Patna
Presently residing at New Harding Road,
Patna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Homestead land measuring 2 Kathas 15 dhurs situated at Dhakanpura now called Boring Road, Patna-1 morefully described in deed No. 165 dated 13-1-81 registered with the D.S.R., Patna.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Dated : 17-9-1981
Sent :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
KANNAMMAI BUILDING, IIND FLOOR
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th September 1981

Ref. No. F. No. 29/Jan./81.—Whereas, I. R. RAVASI-CHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

T.S. No. 59/2-A and 67/2, Ward 'J' and St., Street, Narayana Nagar, Salem-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R.I., Salem on 21-1-1981 Document No. 149/81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bathichand Laxmichand,
Banker, Bombay by Power of Attorney.—
Sri Girdharilal Chabildas,
No. 352, Bazaar Street, Salem-1.

(Transferor)

- (2) 1. Shri P. Kanagaraj,
Prop : M/s. Steels,
No. 60, Dr. Subbarayan Road, Salem.
2. Shri N. P. Sampath,
S/o Shri Palaniandi Pillai,
No. 11, Param Pillai Street,
Kitchipalayam, Salem-1.
(3) Shri V. Madhavan,
S/o Shri Velsamy Pillai,
No. 29, 4th Street, Narayana Nagar,
Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant site at 2nd Street, Narayana Nagar, Salem-1—Ward 'J', Block 9—T.S. No. 59/2-A and 67/2—Extent of site 7918 sq. ft.—Document No. 149/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 4-9-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. D. Indira Devi,
Mother and Guardian of Minor
R. Bhramakrishna Rajarajeswari
Palace, Ramanathapuram,

(Transferor)

(2) Dr. T. Aravindaraj, M.D.,
S/o Shri A. M. Thiruvannamalai,
Vanakkara Street,
Ramanathapuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCEDULE

(Vacant site at Ward No. 13, Vandikkara Nadar Street, Ramanathapuram—Document No. 7/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 4-9-1981

Seal :

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
KANNAMMAI BUILDING, IIND FLOOR
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th September 1981

Ref. No. 39/Jan./8.—Whereas, I. R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward No. 13, Vandikara Nada, Street situated at Ramanathapuram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. II, Ramanathapuram (Document No. 7/81) on 31-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than, fifty per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
KANNAMMAI BUILDING, IIND FLOOR
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th September 1981

Ref. No. 40/Jan./81.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.,

Ward No. 13, Vandikara Nadar Street, situated at Ramanathapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. II, Ramanathapuram (Document No.8/81-82) on 31-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. D. Indira Devi,
Mother and Guardian of Minor
R. Bhramakrishna Rajarajeswari
Palace, Ramanathapuram,

(Transferor)

(2) Dr. T. Aravindaraj, M.D.,
S/o Shri A. M. Thiruvannamalai,
Vanakkara Street,
Ramanathapuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant site at Ward No. 13, Vandikara Nadar Street, Ramanathapuram—Document No. 8/81-82).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 4-9-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
KANNAMMAI BUILDING, IIND FLOOR
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th September 1981

Ref. No. F No 41/Jan./81.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No. 13, Vandikara Nadar Street, situated at Ramanathapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. II, Ramanathapuram (Document No. 9/81-82) on 31-1-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
12—276 GI/81

(1) Smt. D. Indira Devi,
Mother and Guardian of Minor
R. Bhramakrishna Rajarajeswari
Palace, Ramanathapuram,

(Transferor)

(2) Dr. Mathuram Aravindaraj,
Mother and Guardian of Minor Kanagapiriyai,
Vanakkara Street,
Ramanathapuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant site at Ward No. 13, Vandikara Nadar Street, Ramanathapuram—Document No. 9/81-82).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 4-9-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I
KANNAMMAI BUILDING, IIND FLOOR
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th September 1981

Ref. No. 42/Tan./81-82.—Whereas, J. R. RAVICHANDAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward No. 13, Vandikara Nadar Street, situated at Ramanathapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. II, Ramanathapuram (Document No. 10/81) on 31-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927); .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. D. Indira Devi,
Mother and Guardian of Minor
R. Bhramakrishna Rajarajeswari
Palace, Ramanathapuram.

(Transferor)

(2) Dr. Mathuram Arvindaraj,
Vanakkara Street,
Ramanathapuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCEDULE

(Vacant site at Ward No. 13, Vandikkara Nadar Street, Ramanathapuram—Document No. 10/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 4-9-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
KANNAMMAI BUILDING, IIND FLOOR
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600006

Madras-600006, the 7th September 1981

Ref. No. 8/Jan./81.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. Nos. 1071 to 1078/1 situated at Ilanji village, Tenkasi Tk. Tirunelveli Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. I, Tenkasi (Document No. 12/81) on 15-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Mrs. Mariamma Kuriakose,
W/o Sri A. C. Kuriakose,
Elamkalathil House,
Neelamperoor village,
Neelamperoor Kara, Kuttanad Tk.,
Alleppey District,

(Transferor)

(2) Mrs. Mariamma Joseph,
W/o Sri N. J., Joseph,
Neroth House, Power House Ward,
Alleppey Municipality,
Ambalapuzha Tk. Alleppey Dt.
Kerala State,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Punjathope in S. Nos. 1071 to 1078/1, Ilanji vilagle. Tenkasi Tk. Tirunelveli Dt.—9 acres, 84 cents and 50 Mangoes and 20 cocoanut trees—Document No. 12/81).

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 7-9-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

Madras-600006, the 7th September 1981

Ref. No. 9/Jan./81.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1031 A6-18, situated at Ilanji village, Tenkasi Tk. Tirunelveli Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. I, Tenkasi on 15-1-1981 (Document No. 14/81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Annammal Markose,
W/o Sri Kuruvilla Markose,
Velyanadu Village,
Kuttanad Tk.
Allepey Dt. (Kerala).

(Transferor)

- (2) Mrs. Mariamma Joseph,
W/o Sri N. J., Joseph,
Neroth House, Power House Ward,
Ambalapuzha Tk. Allepey Dt.
Kerala State.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Punjathope in S. No. 1031 A6-18, Ilanji village, Tenkasi Tk. Tirunelveli Dt.—3 acres 18 cents and 27 Mangoes and 13 coconut trees—Document No. 14/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 7-9-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 7th September 1981

Ref. No. 15/Jan./81.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing

S. No. 1031, Ilanji village, situated at Tenkasi Tk. Tirunelveli Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R. I, Tenkasi on 15-1-1981 (Document No. 20/81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- 1) Mrs. Kunjooram Zacharia,
W/o Sri V. K. Zachariah,
Valamparambil House,
Nattakam village, Chingavanam Kara,
Kottayam Tk. Kottayam Dt. Kerala.

(Transferor)

- (2) Mrs. Mariamma Joseph,
W/o Sri N. J., Joseph,
Neroth House, Power House Ward,
Alleppey Municipality,
Ambalapuzha Tk. Alleppey Dt.
Kerala State.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Punjathope in S. No. 1031 Ac 1-18, Ilanji village, Tenkasi Tk. Tirunelveli Dt—3 Acres and 10 Mangoes and 10 coconut trees—Document No. 20/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 7-9-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
KANNAMMAI BUILDING, IIND FLOOR
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600006

Madras-600006, the 7th September 1981

Ref. No. 8-A/Jan./81.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. Nos. 1071 to 1078/1, situated at Ilanji village, Tenkasi Tk. Tirunelveli Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. I, Tenkasi on 15-1-1981 (Document No. 13/81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Mariamma Kuriakose,
W/o Sri A. C. Kuriakose,
Elankalathil House, Neelamperoor village,
Neelamperoor Kara, Kuttanad Tk. (Kerala)
(Transferor)
- (1) Sri George Joseph,
S/o Sri N. J. Joseph,
Neroth House, Power House ward,
Ambalapuzha Tk. Alleppey Dt.
Kerala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Punjathope at S. No. 1086, Ilanji village Tenkasi Taluk, Tirunelveli Dt.—1 acre 47 cents and 5 Mangoes and 5 Coconut trees—Document No. 13/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 7-9-1981
Seal :

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
KANNAMMAI BUILDING, IIND FLOOR
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600006

Madras-600006, the 7th September 1981

Ref. No. 10/Jan./81.—Whereas I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1017/1, situated at Ilanji village, Tenkasi Tk. Tirunelveli Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. I, Tenkasi on 15-1-1981 (Document No. 15/81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Annamma Markose,
W/o Sri Kuruvilla Markose,
Paruvaparambil House,
Velayanadu village,
Velayanadu Kāra, Kuttanad Tk.
Alleppey Dist. (Kerala).

(Transferor)

- (1) Sri George Joseph,
S/o Sri N. J. Joseph,
North House, Power House Ward,
Alleppey Municipality, Ambalapuzha Tk. Alleppey
Dt. Kerala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Puniathope in S. No. 1017/1, Ilanji Village, Tenkasi Tk. Tirunelveli Dt.—3 acres and 68 cents and 25 Mangoes and 10 cocoanut trees—Document No. 15/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 7-9-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600006

Madras-600006, the 7th September 1981

Ref. No. 12/Jan./81.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. Nos. 1071 to 1078/1 AC. 19.84 situated at Ilanji village, Tenkasi Tk. Tirunelveli Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. I, Tenkasi (Document No. 17/81) on 15-1-1981 for an apparent consideration which is less than the air market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mr. Kuruvilla Marks,
S/o Sri Kuruvilla Markose,
Velyanadu village,
Velyanadu Kara,
Kuttanad Taluk,
Alleppey Dt. (Kerala).

(Transferor)

(1) Shri George Joseph,
S/o Sri N. J. Joseph,
Neroth House, Alleppey Municipality,
Ambalapuzha Tk. Alleppey Dt.
Kerala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Punjathope in S. Nos. 1071 to 1078/1 AC. 19.84, Ilanji village, Tenkasi Tk., Tirunelveli Dt.—5 acres and 20 Mangoes and 25 Coconut trees—Document No. 17/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 7-9-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 7th September 1981

Ref. No. 20/Jan./81.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. Nos. 1071 to 1078/1 AC. 19.84 situated at Ilanji village, Tenkasi Tk. Tirunelveli Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer J.S.R. I, Tenkasi (Document No. 25/81) on 15-1-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
13--276GI/81

(1) Mr. Zachairah Kuriakose,
S/o Sri A. C. Kuriakose,
Elamkalathil House,
Neelamperoor Kara,
Neelamperoor Kara,
Kuttanad Taluk, Alleppey Dt.,
Kerala.

(Transferor)

(1) Sri George Joseph,
S/o Sri N. J. Joseph,
Neroth House, Power House Ward,
Alleppey Municipality,
Ambalapuzha Tk., Alleppey
Dt. Kerala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Punjathope in S. Nos. 1071 to 1078/1 AC. 19.84, Ilanji village, Tenkasi Tk. —5 acres and 25 Mangoes and 20 Coconut trees—Document No. 25/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 7-9-1981
Seal :

FORM LTNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 7th September 1981

Ref. No. 13/Jan./81.—Whereas, I,
R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 1021, situated at Ilanjil Village, Tenkasi Tk. Tirunelveli Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R., I, Tenkasi on 15-1-81 (Document No. 18/81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Kunjoojamma Zacharia, W/o Shri V. K. Zachariah, Valiamparambil House, Nattakam Village, Chingavanam Kara, Kottayam Tk. Kottayam Dt. (KERALA).

(Transferor)

(2) Sri Nuz J. Joseph, S/o Late N. C. John, Neorth House, Power House Ward, Alleppey Municipality Amalapuha Tk. Alleppey Dt. KERALA.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Punjathope in S. No. 102, Ilanjil vilage, Tenkasi Tk. 3 acres 94 cents and 15 Mangoes & 10 cocoanut trees—Document No. 18/81).

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Dated : 7-9-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 7th September 1981

Ref. No. 17/Ian./81.—Whereas, I,
R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 1020, Ilanjī village, situated at Tenkasi Tk. Tirunelveli Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. I, Tenkasi on 15-1-81 (Document No. 22/81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Ida Kuruvilla,
W/o Sri Thomas C. Kuruvilla,
Coipurath House,
Pazhavangadi village
Pazhavangadi Kara,
Pathanamthitta Taluk,
Quilon Dt. (KERALA STATE).

(Transferor).

- (2) Sri N. J. Joseph,
S/o Late N. C. John,
Neorth House,
Power House Ward,
Alleppey Municipality,
Ambalapuzha Taluk,
Alleppey Dt. (KERALA).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Punjathope in S. No. 1020/Ilanji Village, Tenkasi Tk. 1 Acre 83 cents and 20 Mangoes and 10 Cocoanut trees—Document No. 22/81).

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Dated : 7-9-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 7th September 1981

Ref. No. 18/Jan./81.—Whereas, I,

R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 998, Ilanji Village, situated at Tenkasi Tk. Tirunelveli Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. I, Tenkasi on 15-1-81 (Document No. 23/81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Suma Kuruvilla,
W/o Dr. T. M. Kuruvilla,
Thykattu House,
Thiruvandoor Village,
Chengannur Taluk,
Alleppey Dt. (KERALA).

(Transferor)

(2) Sri N. J. Joseph,
S/o Late N. C. John,
Neroth House, Power House Ward,
Ambalapuzha Taluk,
Alleppey Dt. (KERALA).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Punjathope in S. No. 998, Ilanji village, Tenkasi Taluk, Tirunelveli Dt.—5 Acres 37 Cents and 20 Mangoes and 30 Coconut trees).
Doc. No. 23/81.

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Dated : 7-9-81

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 7th September 1981

Ref. No. 14/Jan./81.—Whereas, I,

R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 1022, Ilanji village, situated at Tenkasi Tk., Tirunelveli Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

J.S.R. I, Tenkasi on 15-1-81

(Document No. 19/81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Kunjoojamma Zacharia,
W/o Sri V. K. Zacharia,
Valiamparambil House,
Nattakam village,
Chingavanam Kara, Kottayam Tk.
Kottayam Dt. (KERALA).

(Transferor)

- (2) Sri Alex Joseph,
S/o Sri N. J. Joseph,
Neiroth House,
Power House Ward,
Alleppey Municipality,
Ambalapuzha Tk.
Alleppey Dt. (KERALA).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Punjathope in S. No. 1022, Ilanji village, Tenkasi Tk. Tirunelveli Dt.—3 Acres 79 cents and 15 Mangoes and 10 Coconut trees—Document No. 19/81).

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Dated : 7-9-81
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 7th September 1981

Ref. No. 16/Jan./81.—Whereas, I,
R. RAVICHANDRAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. S. No. 1007/1, 1009, situated at and 1010, Ilanji
village, Tenkasi Tk. Tirunelveli Dt.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering
Officer at J.S.R. I, Tenkasi on 15-1-81
(Document No. 21/81)
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(14 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

- (1) Mrs. Ida Kuruvilla,
W/o Sri Thomas C. Kuruvilla,
Coipurath House, Pazhavangadi village,
Pazhavangadi Kara, Pathanamthitta Tk.
Quilon Dt. (Kerala).
(Transferor)
- (2) Sri Jacob Joseph,
S/o Sri N. J. Joseph,
Neroth House, Power House Ward,
Alleppey Municipality,
Ambalapuzha Taluk, Alleppey Dist.
(KERALA STATE).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Punjathope in S. Nos. 1007/1, 1009 & 1010, Ilanji vill-
age, Tenkasi Tk.—7 Acres 89 cents and 30 Mangoes & 10
Cocoanut trees—Document No. 21/81).

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Dated : 7-9-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 7th September 1981

Ref. No. 19/Jan./81.—Whereas, I,
R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 999, 1000/1 and situated at 1006, Ilanji Village, Tenkasi Tk. Tirunelveli Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R. I, Tenkasi on 15-1-81 (Document No. 24/81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

18—276GI/81

- (1) Mrs. Suma Kuruvilla,
W/o Dr. F. M. Kuruvilla,
Thykattu House,
Thiruvannandoor village,
Thiruvannandoor Kara,
Chengannur Taluk, Alleppey Dt.
(KERALA STATE).

(Transferor)

- (2) Sri Johny Joseph,
S/o Sri N. J. Joseph,
Neroth House,
Power House Waid,
Alleppey Municipality,
Ambalapuzha Taluk,
Alleppey Dt. (KERALA STATE).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Punjathope in S. Nos. 999, 1000/1, and 1006, Ilanji Village, Tenkasi Taluk, Tirunelveli Dt.—4 acres 43 cents, 20 Mangoes and 30 Coconut Trees—Document No. 24/81).

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Dated: 7-9-81

Seal:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

GEOLOGISTS' EXAMINATION, 1982

New Delhi, the 10th October 1981

No. F. 4/2/81-E.I.(B).—A competitive examination for recruitment to the posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AGARTALA, AHMEDABAD, AIZAWL, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PAINA, PORT BLAIR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR and TRIVANDRUM commencing on 23rd March, 1982 in accordance with the Rules published by the Ministry of Steel and Mines in the Gazette of India, dated 10th October, 1981.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure I, para II).

2. The categories of posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various posts are given below :—

Category I : (Posts in the Geological Survey of India, Ministry of Steel & Mines).

- | | |
|--------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| (i) Geologist (Junior),
Group A | 25 (Includes 18 vacancies reserved for Scheduled Castes and 4 vacancies for Scheduled Tribes candidates). |
| (ii) Assistant Geologist,
Group B | 44 (Includes 15 vacancies reserved for Scheduled Castes and 7 vacancies for Scheduled Tribes candidates). |

Category II : (Posts in the Central Ground Water Board, Ministry of Agriculture).

Assistant Hydrogeologist,*
Group B

*Vacancies not yet intimated by Government.

The above numbers are liable to alteration.

Appointments will be made on a temporary basis in the first instance. The candidates will be eligible for permanent appointment in their turn as and when permanent vacancies become available.

3. A candidate may apply for admission to the examination in respect of all or any of the posts mentioned in para 2 above. He will be considered only for the post(s) he applies for. Once an application has been made, no change will ordinarily be allowed.

If a candidate wishes to be admitted for more than one category of posts he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 6 below once only and will not be required to pay separate fee for each posts for which he applies.

N.B.—A candidate is required to specify clearly in the application form the Services/posts for which he wishes to be considered. He is advised to indicate as many preferences as he wishes to so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences, when making appointments.

No request for alteration in the order of preferences for the Services/posts for which he is competing would be considered from a candidate unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of publication of the results of the written examination in the Employment News.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 (Rupees two) which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office.

This amount of Rs. 2.00 (Rupees two) will in no case be refunded.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE GEOLOGISTS' EXAMINATION 1982. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE GEOLOGISTS' EXAMINATION 1982 WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 7th December, 1981 (21st December, 1981) in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 7th Dec., 1981 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 7th December, 1981.

NOTE (i) :—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J & K State etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

NOTE (ii) :—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs. 48.00 (Forty eight) [Rs. 12.00 (Rupees Twelve) in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes] through Crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or Crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commission, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051-Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

14—276GI/81

8. A refund of Rs. 30.00 (Rupees Thirty) [Rs. 8.00 (Rupees eight) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes], will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note 1 below Rule 7 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above, and in para 9 below nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

9. If any candidate who took the Geologists' Examination held in 1981 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1981 examination his candidature for the 1982 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's office by 23rd February, 1982.

10. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

11. The question papers in all the subjects as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules will consist of objective type questions. For details pertaining to objective type Tests including sample questions, reference may be made to "Candidates' Information Manual" at Annexure II.

VINAY JHA, Jt. Secy.
Union Public Service Commission

ANNEXURE-I

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 16-2-82 will not be entertained under any circumstances.

2. The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form, he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates, whether already in Government service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily-rated employees or those serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (1) *CROSSED* Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificate in support of claim for fee remission (See paras 6 & 7 of the Notice and para 6 below).

(ii) Attested/certified copy of Certificate of Age.

(iii) Attested/certified copy of Certificate of Educational qualification.

(iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm, approx) photograph of the candidate, one of which should be pasted on the first page of the application form and the second copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

(v) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled in.

(vi) Two self-addressed unstamped envelopes of approximately 11.5 cms. × 27.5 cms.

(vii) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe where applicable (See para 4 below).

(viii) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable (See para 5 below).

NOTE (i) :—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii), (vii) AND (viii) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF THE GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF AUGUST, 1982. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF INTERVIEW. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES, WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME, WILL BE CANCELLED AND THEY WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

NOTE (ii) :—Candidates are further required to sign the attested/certified copies of all the certificates sent along with application form and also to put the date.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (vii) and (viii) are given in paras 4 and 5 :—

- (i) (a) *CROSSED* Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted, Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) *CROSSED BANK draft for the prescribed fee.*

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi, and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

Note :—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Order at the space provided for the purpose.

(ii) *Certificate of Age.*—The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination of an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age of completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless completed proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

NOTE 1 :—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

NOTE 2 :—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

NOTE 3 :—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) *Certificate of Educational Qualification.*—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 7. The Certificate submitted must be one issued by the authority i.e., University or other examining body awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

NOTE.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination, but has not been informed of the result, may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but their admission would be

deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than 31st July, 1982.

(iv) *Two copies of Photograph.*—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm x 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied by any one of the documents mentioned under paragraphs 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above, without a reasonable explanation for its absence having been given the application will be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

Form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* son/daughter* of of village/town* in District/Division* of the State/Union Territory* of belongs to the Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*, the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*, the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*, the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951* as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order 1956; the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970; the North Eastern Areas (Reorganisation) Act 1971, and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976.

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order 1956*.

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978*

2. Shri/Shrimati/Kumari*
and*/or his/her* family ordinarily reside(s) in village*/
town of District*/
Division of the State*/Union Territory of

Signature.....

**Designation.....
(with seal of office)

Place..... State*/Union Territory

Date.....

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe certificate;

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

5. (i) Persons employed in the Geological Survey of India and Central Ground Water Board claiming age concession under Rule 6(b) should submit a certificate, in original, from Head of their Office/Department in the following form :—

**Form of certificate to be produced by Candidates*

Certified that Shri/Shrimati/Kumari..... holds a permanent/temporary* post of in the Geological Survey of India/Central Ground Water Board* w.e.f.....

Signature.....
Designation.....
Ministry/Office.....
Office stamp.....

*Strike out whichever is not applicable.

(ii) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 6(c) (ii) or 6(c)(iii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971 :—

(1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;

(2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident;

(3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;

(4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge;

(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

(iii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 6(c)(iv) or 6(c)(v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

(iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 6(c)(viii) or 6(c)(ix) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or a copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963.

(v) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia, claiming age concession under Rule 6(c)(vi) or 6(c)(vii) should produce an attested/certified copy of a certificate, from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(vi) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 6(c)(x) or 6(c)(xi) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No.
Shri of Unit was disabled
while in the Defence Services, in operations during hostilities
with a foreign country/in a disturbed area and was released
as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

*Strike out whichever is not applicable.

(vii) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 6(c)(xli) or 6(c)(xlii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.

6. A candidate belonging to any of the categories, referred to in para 5(ii), 5(iii) and 5(iv) above and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India, Ministry of Steel and Mines (Department of Mines) or the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture & Co-operation), as the case may be.

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tempered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

10. Every application including late ones, received in the Commission's Office is acknowledged and application Registration number is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration number has been issued to the candidate does not, *ipso-facto* mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with his provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. *Communications Regarding application.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI-110011 AND

SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE, IF THE APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B. (i).—COMMUNICATIONS NOT GIVING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii).—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

13. *Change in address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 12 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CAN NOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ANNEXURE—II

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) *you do not write answers*. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

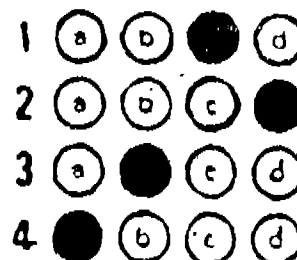
B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, ... etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will *not* be examined.

In the Answer Sheet, number of items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT—

1. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
2. To change a wrong marking, erase it *completely* and remark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.

3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.

4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.

5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.

6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.

7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the

questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the Examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note :—*denotes the correct/best answer option)

1 (General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure,
- 1*(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure.
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls.
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.

2. (English)

(Vocabulary—Synonyms)

There was a *record* turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known.
- [(b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far

3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below

- *(a) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season.
- (d) planting with close spacing.